राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 31 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–187 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तू सोच भी नहीं सकता कि मैं...अंजू ने पाकिस्तान से किया पति को फोन; बच्चों को ले जाने की भी धमकी

नई दिल्ली। फेसबुक फ्रेंड नसरुल्लाह के लिए भारत से पाकिस्तान गई अंजू लगातार चर्चा में हैं। अंजू ने पहले कहा कि कुछ ही दिनों में भारत वापस आने वाली है। अब उन्होंने पाकिस्तान में नसरुल्लाह से निकाह भी कर लिया है और प्लॉट के साथ संपत्ति की मालकिन भी बन गई हैं। इसी बीच खबर है कि अंजू ने पाकिस्तान से अपने पति अरविंद को फोन किया और खूब खरीखोटी सुनाई। अंजू ने पति को अपशब्द भी कहे और दोनों बच्चों को ले जाने की धमकी भी दी। जानकारी के मुताबिक अंजू ने अपने पति को फोन करके गाली-गलौज की।अंजू ने फोन पर पति से कहा, मैं अब किसी भी बद तक जा सकती हूं। तो सोच भी नहीं सकता। तुम मेरे बारे में बहुत बता रहे हो, कुछ अपने बारे में भी बताओ। तुम वैसे ही नाचे जा रहे हो जैसे मीडिया तुम्हें नचा रही है। तुम सबको सच क्यों नहीं बता रहे हो कि कैसे इंसान हो? अंजू इसके बाद कहती हैं, मेरी मर्जी, मैं जहां चाहूं रहूं। तू मुझे रोकने वाला कौन है। मैं तुझपर थूकती हूं। मेरी बदकिस्मती थी कि मैं ऐसे इंसान और उसके परिवार के साथ रहती हूं। मैं भारत आऊंगी और अपने बच्चों को भी ले जाऊंगी।

पाकिस्तान में अंजू को मिला प्लॉट और दौलत

दो बच्चों की मां अंजू ने पाकिस्तान में अपने फेसबुक दोस्त नसरुल्लाह से निकाह कर लिया है। खबर यह भी है कि उन्होंने धर्म परिवर्तन करके अपना नाम फातिमा रख लिया है। अँजू और नसरुल्लाह की दोस्ती 2019 में हुई थी। इसके बाद वह वीजा बनवाकर पाकिस्तान मिलने पहुंच गईं। पाकिस्तान पुलिस के मुताबिक अंजू ने कोर्ट में नसरुल्लाह से निकाह कर लिया। इसके बाद अंजू के वीडियो भी सामने आए जिसमें वह नसरुल्लाह के साथ मौज मस्ती करती नजर आईं। 21 जुलाई को राजस्थान के अलवर में रहने वाली अंजू अपने पति और दो बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान चली गई थीं। अंजू के पति ने कहा था कि जयपुर जाने के बहाने से वह पाकिस्तान चली गईं। अंजू अलवर से दिल्ली पहुंची और दिल्ली से अमृतसर। इसके बाद वाघा बॉर्डर के रास्ते वह पाकिस्तान चली गई। सफर के दौरान वह अपने पति से वॉट्सऐप पर बात करती थी। हालांकि उन्होंने लाहौर पहुंचने के बाद बताया कि वह पाकिस्तान पहुंच गई हैं।

मन की बात का 103वां एपिसोड

शहडोल में आदिवासियों ने कुओं को वाटर री-चार्ज सिस्टम से जोड़ा, यहां मिनी ब्राजील भी-मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज यानी 30 जुलाई को अपने मन की बात प्रोग्राम के जरिए देश वासियों से बात की। पीएम मोदी के मन की बात का यह 103वां एपिसोड है। इस कार्यक्रम को सुबह 11 बजे टेलीकास्ट किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कुछ समय पहले मैं रूक के शहडोल गया था। वहां आदिवासी भाइयों से मुलाकात हुई। पकरिया गांव के आदिवासियों ने प्रकृति और जल संरक्षण के लिए काम कर दिया है। 100 कुओं को वाटर रिचार्ज सिस्टम में बदल दिया है। बारिश का पानी इन कुओं में जाता है और वहां से जमीन में। सभी गांववालों ने 800 कुओं को रिचार्ज के लिए उपयोग में लाने का लक्ष्य बनाया है। MP के शहडोल में विचारपुर गांव है, इसे मिनी ब्राजील कहा जाता है। ये गांव आज उभरते सितारों का गढ़ बन गया है। यहां मेरी मुलाकात इन खिलाड़ियों से हुई। विचारपुर गांव के मिनी ब्राजील बनने की यात्रा 2 दशक पहले शुरू हुई। यह कभी नशे का शराब का गढ़ था। ईस अहमद जो पूर्व फुटबॉलर हैं और कोच हैं, उन्होंने युवाओं को फुटबॉल सिखाना शुरू किया। अब विचारपुर की पहचान फुटबॉल से होने लगी। फुटबॉल क्रांति नाम से एक प्रोग्राम चल रहा है।

शहडोल के विचारपुर से 40 नेशनल और स्टेट लेवल प्लेयर निकले

एमपी के विचारपुर से नेशनल और स्टेट लेवल के 40 से ज्यादा खिलाड़ी निकले हैं। काफी बड़े इलाके में 1200 से ज्यादा फुटबॉल क्लब बन गए हैं। कई पूर्व खिलाड़ी और कोच यहां युवाओं को ट्रेनिंग दे रहे हैं। एक आदिवासी इलाका जो अवैध शराब के लिए जाना जाता था, नशे के लिए बदनाम था, वो आज देश की फुटबॉल नर्सरी बन गया है। जहां चाह, वहां राह। प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्हें तलाशने और तराशने की जरूरत है।

सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है-पीएम ने कहा- इस समय सावन का महीना चल रहा है। महादेव की आराधना के साथ सावन हरियाली और खुशहाली से जुड़ा होता है। इसका बहुत महत्व रहा है। सावन के झूले, सावन की मेंहदी, सावन के उत्सव। सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है। इस आस्था और परंपराओं का एक पक्ष और भी है। ये हमें गतिशील बनाते हैं। शिव अराधना के लिए कितने ही भक्त कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। 12 ज्योतिर्लिंगों पर भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बनारस पहुंचने वाले लोगों की संख्या रिकॉर्ड तोड़ रही है। हर साल वहां 10 करोड़ से ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे हैं। अयोध्या, मथुरा और उज्जैन पहुंचने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

PM बोले- 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाए जा रहे-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- अभी 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाने का काम चल रहा है। देशवासी पूरी जागरुकता और जिम्मेदारी के साथ जल संरक्षण के लिए प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। राज्य सरकार ने अभियान की शुरुआत की और लोगों ने इसे पूरा किया। ऐसे प्रयास जनभागीदारी के साथ जन जागरण के बड़े उदाहरण हैं। हम सब भी पेड़ लगाने और पानी बचाने के प्रयासों का हिस्सा बनें।

उज्जैन में 18 कलाकर बना रहे चित्रकथाएं-प्रधानमंत्री ने कहा- हम न केवल अपनी विरासत को अंगीकार करें, बल्कि उसे जिम्मेदारी से साथ विश्व के सामने प्रस्तुत भी करें। मुझे खुशी है कि ऐसा ही एक प्रयास इन दिनों उज्जैन में चल रहा है। यहाँ देशभर के 18 चित्रकार, पुराणों पर आधारित आकर्षक चित्रकथाएँ बना रहे हैं। ये चित्र, बूंदी शैली, नाथद्वारा शैली, पहाड़ी शैली और अपभ्रंश शैली जैसी कई विशिष्ट शैलियों में बनेंगे। इन्हें उज्जैन के त्रिवेणी संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा, यानी कुछ समय बाद जब आप उज्जैन जाएंगे, तो महाकाल महालोक के साथ-साथ एक और दिव्य स्थान के आप दर्शन कर सकेंगे।

अप्रैल में पूरे हुए थे 100 एपिसोड

पीएम का मन की बात 3 अक्टूबर 2014 को शुरू हुआ था और हर महीने के अंतिम रविवार को सुबह 11 बजे ब्रॉडकॉस्ट/ टेलीकास्ट किया जाता है। 30 मिनट के कार्यक्रम ने 30 अप्रैल 2023 को 100 एपिसोड पूरे किए हैं। 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा मन की बात 11 विदेशी भाषाओं में ब्रॉडकॉस्ट किया जाता है।

एस जयशंकर बोले- खनिज सुरक्षा साझेदारी में भारत को शामिल करना बेहद अहम

नई दिल्ली। हमारे हाथ में मौजूद फोन हो या फिर गाड़ियां, अंतरिक्ष में जाने वाले रॉकेट या लैपटॉप आदि सभी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल हो रहा है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आज दुनिया की प्रमुख इंडस्ट्री बन गई है। यही वजह है कि दुनिया के कई देश इस क्षेत्र पर खासा फोकस कर रहे हैं। अब भारत ने भी इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित हो रही सेमीकॉन इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 भी इसी का हिस्सा है। रविवार को इस कॉन्फ्रेंस को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संबोधित किया।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में भारत-अमेरिका में बढ़ रहा सहयोग-इस दौरान एस जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि आज सेमीकंडक्टर के मुद्दे पर भारत काफी वैश्विक बातचीत कर रहा है। इनमें मार्च 2023 में अमेरिका और भारत के बीच सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और अनुसंधान को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर होना अहम है। जून 2023 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, उस वक्त भी राष्ट्रपति बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच सेमीकंडक्टर मुद्दे पर काफी बातचीत हुई थी। एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच की साझेदारी अब कई अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ रही है और समय के साथ इसमें मजबूती आएगी। उदाहरण के लिए अंतरिक्ष में भारत ने आर्टेमिस अकॉर्ड पर हस्ताक्षर किए हैं और नासा और इसरो की साझेदारी भी मजबूत हो रही है। क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का अहम तत्व है। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों में ये तकनीक बड़े बदलाव ला सकती है और किसी भी ताकतवर देश के लिए बेहद अहम साबित होगी। जयशंकर ने चिप वॉर का भी जिक्र किया। विदेश मंत्री ने कहा कि खनिज सुरक्षा साझेदारी में भारत की एंट्री बेहद अहम है। इससे सुरक्षित सप्लाई चेन के क्षेत्र में विविधता आएगी। भारत में 5जी की शुरुआत हो चुकी है और हमने इस मामले में गति पकड़नी शुरू कर दी है। इस बीच भारत में 6जी सेवाएं और अमेरिका में नेक्सजी अलायंस में सहयोग अहम साबित होगा। बता दें कि खनिज सुरक्षा साझेदारी में अमेरिका के नेतृत्व में 14 देश (ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया गणराज्य, स्वीडन, ब्रिटेन, यूरोपीय आयोग, इटली और अब भारत) सहयोगी हैं।

इसरो ने फिर किया कमाल, सात सैटेलाइट लेकर पीएसएलवी-सी 56 ने भरी उड़ान

श्रीगरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 के बाद आज रविवार को फिर कमाल कर दिया। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी56 रॉकेट के जरिए सिंगापुर के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह DS-SRA सहित सात उपग्रहों को आज सुबह 6.30 बजे सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया गया। इसरो ने बताया कि सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी56 को रविवार सुबह 6.30 बजे प्रक्षेपित किया जाना निर्धारित किया गया था, जो सफल रहा। 360 किलोग्राम वजनी इस रॉकेट में इजरायल एयरोस्पेस द्वारा विकसित सिंथेटिक एपर्चर रडार लगाया गया है, जो उपग्रह को सभी मौसमों में दिन-रात तस्वीर लेने में सक्षम बनाता है।

डीएस-एसएआर उपग्रह डीएसटीए (सिंगापुर सरकार का प्रतिनिधित्व) और एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है।

पीएसएलवी रॉकेट की 58वीं उड़ान-डीएस-एसएआर के साथ ही न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के छह उपग्रहों को भी उनकी कक्षा में भेजा गया है। इसमें 23 किलोग्राम का वेलोक्स-एएम सूक्ष्म उपग्रह, एआरसीएडीई प्रायोगिक उपग्रह, स्कूब-2, 3यू नैनोसैटेलाइट, गैलासिया-2, ओआरबी-12 स्ट्राइडरशामिल हैं। इसरो ने बताया कि उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने के लिए यह पीएसएलवी रॉकेट की 58वीं उड़ान है। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड इसरो की वाणिज्यिक शाखा है और उपग्रहों को सिंगापुर में ग्राहकों की सेवा के लिए लॉन्च किया गया है। 44.4 मीटर लंबा चार चरण वाला वाहन पीएसएलवी-सी56 ने 228 टन भार के साथ शार रेंज से प्रथम लॉन्च पैड से उड़ान भरी। इसरो ने बताया कि पीएसएलवी-सी55/टीलियोस-2 के अप्रैल में हुए सफल प्रक्षेपण के बाद मिशन को अंजाम दिया गया है। इस मिशन से सिंगापुर के लोगों की जरूरतें पूरी होंगी।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य वेंटिलेटर पर

कोलकाता । बायलेटरल निमोनिया से पीड़ित पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्हें शनिवार अपराह्न अलीपुर के वुडलैंड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रातभर आठ चिकित्सकों की टीम ने उन पर निगरानी रखी। उन्हें मिक्स्ड रेस्पिरेट्री फेलियर हुआ है। दो साल पहले कोरोना संक्रमित होने के बाद उन्हें अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत पड़ी थी। तब उनके फेफड़े में भी संक्रमण हुआ था। अस्पताल के एक चिकित्सक ने रविवार सुबह बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री को सांस लेने पर दिक्कत है। लंबे समय से उम्र जनित बीमारियों से पीड़ित

भट्टाचार्य का घर पर इलाज चलता रहा है। बालीगंज के पॉम एवेंयू स्थित आवास पर शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ी। अपराह्न चिकित्सकों के परामर्श पर उन्हें तत्काल ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अलीपुर के वुडलैंड अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अहमदाबाद में अस्पताल के बेसमेंट में लगी आग, 100 मरीजों को निकाला गया बाहर

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर में एक बहुमंजिला अस्पताल के बेसमेंट में रविवार को आग लग गई। जो देखते ही देखते आग एक बड़े हिस्से में फैल गई। ऐसे में एहतियात के तौर पर लगभग 100 मरीजों को अस्पताल से बाहर निकाला गया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। शाहीबाग पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शहर के शाहीबाग इलाके में स्थित राजस्थान हॉस्पिटल के बेसमेंट में सुबह करीब साढ़े चार बजे आग लग गई।

मौके पर 20-25 फायर टेंडर

मौके पर दमकल की 20-25 गाड़ियां मौजूद हैं। आग अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके के एक अस्पताल में लगी है। घटना पर फायर ऑफिसर जयेश खड़िया ने कहा, राजस्थान अस्पताल के दूसरे बेसमेंट में आग लग गई। हमें सुबह करीब 4:30 बजे फोन आया। आग

लगने का कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। बेसमेंट में कुछ मरम्मत का काम चल रहा था। वहां कोई आग नहीं लगी है। हताहत की कोई सूचना नहीं है। मरीजों को भी बाहर निकालने के लिए कहा गया है। लगभग 20-25 फायर टेंडर मौके पर मौजूद हैं।

बेसमेंट से धुआं निकल रहा है

अग्निशमन दल आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहे हैं। पुलिस निरीक्षक एमडी चंपावत ने कहा, अस्पताल के बेसमेंट जहां आग लगी थी, वहां से धुआं निकल रहा है। एहतियात के तौर पर बहुमंजिला इमारत से लगभग 100 मरीजों को बाहर निकाला गया है। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। अस्पताल को एक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाया जाता है।

बेसमेंट में रखे सामान में लगी आग

अग्निशमन अधिकारी जयेश खड़िया ने कहा कि 10 मंजिला राजस्थान अस्पताल के दूसरे बेसमेंट में आग लग गई और सुबह करीब 4.30 बजे एक कॉल आई। अस्पताल में चल रहे रेनोवेशन कार्य के कारण बेसमेंट में रखे कई सामानों में आग लग गई और धुआं फैल गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए करीब दो दर्जन दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं। जानकारी के अनुसार, अस्पताल में सही वेंटीलेशन नहीं होने के कारण बेसमेंट से धुआं बाहर नहीं निकल पाया और अस्पताल के अंदर जमा हो गया। जिससे मरीजों को सांस लेने में दिक्कत हुई।

जमशेदपुर में खुलेगी देश की पहली हाइड्रोजन इंडस्ट्री, सीएम हेमंत सोरेन ने दी मंजूरी

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जमशेदपुर में हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े देश के पहले उद्योग की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद देश में जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे। इंजन निर्माण की ईकाई स्थापित करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटी और हाई पावर कमेटी की मंजूरी की प्रत्याशा में इस प्रस्ताव पर टीजीईएसपीएल के साथ एमओयू हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव पर सीएम ने सहमति दे दी है। इसके लिए प्रस्तावित निवेश 354.28 करोड़ है। इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनाने की नवीनतम तकनीक का उपयोग होगा। टाटा मोटर्स और कमिंस इंक., टीसीपीएल जमशेदपुर में स्थापित होने वाले उद्योग में हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन, फ्यूल-अग्नोस्टिक इंजन, एडवांस केमिस्ट्री बैटरी, एच 2 फ्यूल सेल और एच 2 फ्यूल डिलीवरी सिस्टम के तहत इंजन बनेगा।

354.28 करोड़ रुपए का निवेश

झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021 के वर्गीकृत सेक्टरवार मेगा प्रोजेक्ट के अनुसार उपर्युक्त परियोजना निर्माण से संबंध रखती है। ईकाई से प्राप्त निवेश तथा प्रत्यक्ष नियोजन के आधार पर ईकाई का वर्गीकरण मेगा श्रेणी के अंतर्गत किया गया है। इस ईकाई की प्रस्तावित क्षमता 4000+ हाइड्रोजन आईसी इंजन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जमशेदपुर में हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े देश के पहले उद्योग की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी है। इस पहल के बाद देश में जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे।

/ फ्यूल-अग्नोस्टिक इंजन और 10,000+ बैट्री सिस्टम है। इसके लिए प्रस्तावित निवेश 354.28 करोड़ रुपए है। एक अनुमान के अनुसार ईकाई 310 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लोगों का नियोजन सुनिश्चित हो सकेगा।

हाइड्रोजन ईंधन के फायदे

हाइड्रोजन ऐसा ईंधन है, जिसकी क्षमता अन्य ईंधनों के अपेक्षा अधिक होती है। इसका एनर्जी लेबल अधिक होता है। यह सस्ता और हल्का होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के बीच इसे एक बेहतर विकल्प माना जा सकता है। हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। भारतीय बाजार और विश्व स्तर पर हाइड्रोजन इंजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4000+ हाइड्रोजन आईसी इंजन या ईंधन एग्नोस्टिक इंजन और 10,000+ बैट्री सिस्टम की उत्पादन क्षमता के निर्माण जरूरतों की आपूर्ति और नई सहायक इकाइयों की स्थापना के लिए स्थानीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज भी प्रासंगिक है प्रेमचंद का साहित्य

डॉ. वंदना सेन

प्रेमचंद्र सबसे पहले उपन्यासकार है, जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलिस्मी दुनिया से बाहर निकाला और अपनी रचनाओं में जन साधारण की भावनाओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिकता के साथ चित्रण किया। प्रेमचंद एक सच्चे समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सुधारने का प्रयास किया। प्रेमचंद ने अपने पात्रों का चुनाव समाज के उपेक्षित वर्ग से अधिक किया है। उन्होंने अपनी कहानियों में भारत के वंचित शोषित, दलित, पिछड़े और गरीब किसानों के लिए संघर्ष वर्णित किया है।

महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद का साहित्य कालजयी है। उन्होंने देश और समाज के बारे में गंभीर चिंता करते हुए अपनी लेखनी चलाई है। समाज की जटिलताओं को कहानी और उपन्यासों के माध्यम से जिस प्रकार से प्रस्तुत किया है, उसके बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि वे आज भी समसामयिक लगती हैं। कहा जाता है कि साहित्य वही है जो हमेशा प्रासंगिक बना रहे। प्रेमचंद जी ने समाज आधारित साहित्य की रचना की। जो आज भी नवोदित साहित्यकारों के लिए एक सार्थक दिशा का बोध कराता है। वास्तव में प्रेमचंद की रचनाएं समाज का दर्पण हैं। प्रेमचंद जी साहित्यकारों के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं कि साहित्यकार का काम केवल पाठकों का मन बहलाना नहीं है। यह तो भाटों और मदारियों, विदूषकों और मसखरों का ही काम है। साहित्यकार का पद इससे कहीं ऊंचा है, वह हमारा पथ प्रदर्शक होता है। वह हमारे मनुष्यत्व को जगाता है। हमारे सद्भावों का संचार करता है। हमारी दृष्टि को फैलाता है।

प्रेमचंद ने केवल मनोरंजन के लिए साहित्य रचना नहीं की, बल्कि अपनी रचनाओं के द्वारा समाज को नयी रूपरेखा, नये आदर्शों मे ढालने का प्रयास किया। उनके सृजन कर्म का उद्देश्य साहित्य के द्वारा समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश देने और एक ऐसे शोषण विहीन सामज की रचना करना था, जिसका आधार स्वतंत्रता हो। प्रेमचंद अपने साहित्य रचना के माध्यम से इस उद्देश्य में सफल रहे हैं।

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद्र का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तरप्रदेश के वाराणसी शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था। इनके पिता का नाम अजायब राय और माता का नाम आनंदी देवी था। प्रेमचंद ने साहित्य की अनेक विधाओं पर अपनी लेखनी चलायी। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर प्रसिद्ध बांग्ला उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने इन्हें उपन्यास का सम्राट कहकर संबोधित किया। प्रेमचंद ने नाटक, उपन्सास, कहानी, समीक्षा, लेख, संस्मरण संपादकीय आदि विधाओं में साहित्य का सृजन किया, पर उन्हें ख्याति कथाकार के रूप में प्राप्त हुई। अपने जीवनकाल में ही वे उपन्यास सम्राट की

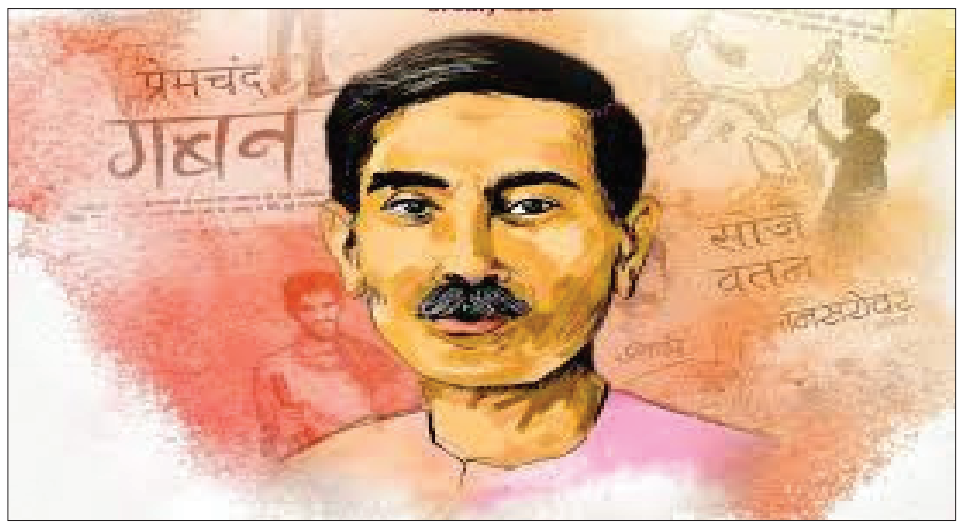

उपाधि से भी सम्मानित हुए। प्रेमचंद्र ने सन् 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ के पहले सभापति के रूप में संबोधन किया। उनका यही भाषण प्रगतिशील आंदोलन के घोषणापत्र का आधार बना।

प्रेमचंद की भाषा हिंदी उर्दू मिश्रित थी। अलंकारों और मुहावरों ने उन्हें सजीवता प्रदान की। इनकी भाषा के कारण इनकी रचना के सभी पात्र व चरित्र हमारे समक्ष सजीव हो उठते हैं। यही इनकी भाषा की सबसे बड़ी ताकत है। इनकी भाषा सहज सरल एवं बोधगम्य है। साहित्य एक विराट उद्देश्य को लेकर चलने वाली विधा है और उसमें मनुष्य के सामाजिक जीवन को अधिक सूक्ष्मता एवं विस्तार से जांचा परखा जाता है। उपन्यास साहित्य की सशक्त एवं प्रवाहमय धारा है। मनुष्य चरित्र के अनेकानेक चित्र प्रस्तुत करने के लिए सबसे अधिक विकल्प उपन्यासकार के पास ही होते हैं।

प्रेमचंद्र के उपन्यास व्यष्टि और समष्टि की सटीक व्याख्या करते हैं। उसमें मनुष्यों की सैद्धांतिक जटिलताओं और प्रपंचों से मुक्ति पाने का संदेश दिया गया। उनके उपन्यास सहजता व सरलता का प्रसार करते हैं। प्रेमचंद्र के उपन्यासों की रचना उस दौर में हुई, जब भारत सरकार में अंग्रेजी राज और उसके अत्याचार चरम पर थे। उनके उपन्यास में तत्कालीन घटनाएं सजीवता के साथ चित्रित की गयी हैं। प्रेमचंद ने अपने समय में साहित्य और समाज के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभायी, जिससे आम आदमी के मन में भी साहित्य के लिए भरोसा पैदा हुआ। प्रेमचंद ने अपना साहित्य मानव जीवन के उत्थान को ध्यान में रखते हुए लिखा।

लोक संस्कृति के ऐतिहासिक संदर्भों एवं परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए प्रेमचंद्र ने ग्रामीण जीवन की अनेक प्रवृतियां, सादगी और उनके जीवन दर्शन को अपने उपन्यास में अभिव्यक्त किया है। प्रेमचंद ने अपने उपन्यास गोदान में देश के किसानों के जीवन और उनके संघर्ष को मार्मिक संवेदनाओं के साथ चित्रित किया है। गोदान उपन्यास में किसान की नैया भूख और गरीबी के बीच झूलती रहती है। मगर फिर भी वह जरा भी विचलित नहीं होता, वह अपने आपको परिस्थितियों से घिरा नहीं मानता। गोदान में होरी का चरित्र भारतीय किसान को बड़ी ही सहजता से निरूपित करता है। गोदान में होरी की मृत्यु एक प्रतीक के रूप में ही है। जो किसान संस्कृति की अमरता और शाश्वतता के लिए चिर संघर्ष की चेतना का उद्घोष करता है। इसलिए गोदान उपन्यास का विश्व साहित्य मे एक महत्वपूर्ण स्थान है। गोदान में प्रेमचंद ने एक किसान को उपन्यास का नायक बनाकर प्रस्तुत किया है। गोदान भारतीय जीवन साहित्य की अनुपम कृति है।

प्रेमचंद चाहते थे कि देश की सभी माताएं अपने बेटों को वीरोचित संस्कार दें। प्रेमचंद ने अपने नारी पात्रों में देशभक्ति का एक उच्चतम शिखर दिखाया है। रंग भूमि में जान्हवी को यह मंजूर नहीं था कि उनका बेटा वीरों जैसी जिंदगी की बजाय प्रेम संबंधों में अपना ध्यान लगाए। विनय द्वारा सोफिया के नाम पत्र लिखा देखकर वह सोफिया को धिक्कारती हुई उससे कहती है मैं विनय को ऐसा मनुष्य बनाना चाहती है जिस पर समाज को गर्व हो। मैं अपने बेटों को सच्चा राजपूत बनाना चाहती हूं। आज वह किसी की रक्षा के निमित अपने प्राण दे तो मुझसे अधिक भाग्यवती संसार में न होगी।

प्रेमचंद्र सबसे पहले उपन्यासकार है, जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलिस्मी दुनिया से बाहर निकाला और अपनी रचनाओं में जन साधारण की भावनाओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिकता के साथ चित्रण किया। प्रेमचंद एक सच्चे समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सुधारने का प्रयास किया। प्रेमचंद ने अपने पात्रों का चुनाव समाज के उपेक्षित वर्ग से अधिक किया है। उन्होंने अपनी कहानियों में भारत के वंचित शोषित, दलित, पिछड़े और गरीब किसानों के लिए संघर्ष वर्णित किया है। उनकी कहानियां दलितों व स्त्रियों के दुःखों को उजागर ही नहीं करती, बल्कि उसे मार्मिक भी बना देती हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य जगत में कहानी कला को अक्षुण्ण बनाये रखने वाली कहानीकारों में प्रेमचंद्र अग्रणी है। प्रेमचंद का लेखन उनके इस कथन को पूरी तरह से चरितार्थ करता है कि साहित्यकार देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं, बल्कि उसके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है।

संपादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण आत्मघात

यूं तो अल्पायु में हर मौत देश, समाज व परिवार की अपूरणीय क्षति होती है, लेकिन देश के शीर्ष पेशेवर शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की मौत का हालिया आंकड़ा दुखद व विचलित करने वाला है। ये वे प्रतिभाशाली छात्र थे जो कड़ी मेहनत व परिवार के त्याग से इस मुकाम तक पहुंचे थे। लाखों छात्रों में चुने गये प्रतिभाशाली छात्र थे, जिनसे देश को बड़ी उम्मीदें थीं। जाहिर है इन शिक्षण संस्थानों के अत्यधिक चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धी माहौल से पार पाने में ये छात्र विफल रहे हैं। बहुत संभव है कई अन्य कारण भी हो सकते हैं, लेकिन प्रथम दृष्टया प्रतिस्पर्धी माहौल का दबाव ही होता है। जब उन्हें लगता है कि तप-त्याग व सीमित संसाधनों के बावजूद उनकी आवश्यकता पूर्ति करने वाले मां-बाप की आकांक्षाएं वे पूरी नहीं कर पा रहे हैं, तो कुछ ऐसा असामान्य उन्हें अपराधबोध से ग्रस्त कर देता है। जिसके चलते ही वे आत्मघाती कदम उठाते हैं। बुधवार को राज्यसभा में पेश किये गये आंकड़ों में खुलासा हुआ कि बीते पांच वर्षों में देश के चोटी के संस्थानों में 69 छात्रों ने आत्महत्याएं की। इनमें देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी के 31 व एनआईटी के 22 छात्र शामिल हैं। इसी तरह एम्स में 13 व आईआईएम में तीन छात्रों ने आत्महत्या कर ली। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि मरने वालों में 32 छात्र सामान्य श्रेणी के और 37 छात्र आरक्षित श्रेणी के थे। यह निष्कर्ष बताता है कि दोनों अलग-अलग पृष्ठभूमि के छात्र लगातार समान रूप से तनाव से प्रभावित रहे हैं। ये निष्कर्ष अब तक के इस तरह के आरोपों को खारिज करता है कि ये आत्महत्याएं किसी तरह के सामाजिक भेदभाव का नतीजा होती हैं। वहीं दूसरी ओर इन आंकड़ों के जरिये एक चौंकाने वाला खुलासा भी सामने आया कि इन संस्थानों से पढ़ाई बीच में ही छोड़ने वाले छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ी है। निस्संदेह, छात्रों द्वारा ये प्रतिष्ठित संस्थान छोड़ने के कारणों का व्यापक अध्ययन किया जाना जरूरी है।

दरअसल, यदि हम इन प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ने वाले छात्रों के आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो पाते हैं कि इन पांच सालों में जहां 8319 छात्रों ने आईआईटी में अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की। वहीं दूसरी ओर करीब 5623 छात्रों ने वर्ष 2018 से 2022 तक एनआईटी से बाहर निकलने का विकल्प चुना। समाज विज्ञानियों का मानना है कि पढ़ाई का दबाव झेलने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्र मां-बाप के सामने अपनी बात नहीं रख पाते। वे अपराधबोध से ग्रसित रहते हैं कि जिन मां-बाप ने उनकी पढ़ाई के लिये जीवन भर तपस्या की है, उन्हें वे कैसे निराश करें। जब उनके लिये यह दबाव झेलना असंभव हो जाता है तो वे आत्मघाती कदम उठाने का विकल्प चुनते हैं। उन्हें इस बात का पक्का विश्वास नहीं होता कि यदि वे मां-बाप के सामने अपनी समस्या खुलकर रखें तो वे उनके साथ खड़े होंगे। ऐसा नहीं है कि मां-बाप बच्चों के व्यापक हितों की अनदेखी करते हैं। लेकिन शैक्षणिक तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक पृष्ठभूमि जैसे कारक भी छात्रों को आत्मघात के लिये उन्मुख करते हैं। बहरहाल, हालात मां-बाप को आत्ममंथन करने को कहते हैं कि बच्चों का कैरियर जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उन्हें बच्चों के भविष्य की संभावनाओं के दूसरे विकल्पों पर भी विचार करना होगा। जरूरी नहीं है कि इंजीनियरिंग व डॉक्टरी के अलावा बेहतर भविष्य के दूसरे विकल्प नहीं हैं। पिछले अनुभव बताते हैं कि तमाम छात्र डॉक्टर व इंजीनियर बनने के बावजूद देश की शीर्ष प्रशासनिक व पुलिस आदि सेवाओं का विकल्प चुनते हैं। इस लक्ष्य को विज्ञान व मानविकी के विषयों में स्नातक बनकर हासिल किया जा सकता है। अभिभावकों को चाहिए वे बच्चों के सपनों को पूरा करने में सहयोग करें तथा अपनी ऐसी महत्वाकांक्षाओं न थोपें, जो उनके लिये असहनीय हो जाएं। इन शिक्षण संस्थानों को भी चाहिए कि वे अपने यहां तनाव से गुजर रहे छात्रों की विशेषज्ञों से काउंसलिंग कराएं, क्योंकि ये प्रतिभाएं राष्ट्र की अमूल्य संपदा है।

14500 पुराने स्कूलों को स्मार्ट बनाने में 27000 करोड़ खर्च करेगी सरकार

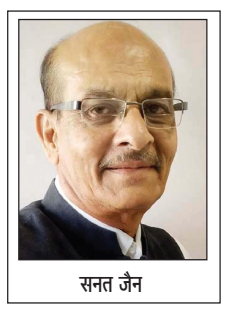

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के 3 वर्ष पूर्ण होने पर प्रगति मैदान दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश के 14500 पुराने स्कूलों को स्मार्ट स्कूल में परिवर्तित किया जाएगा। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली किस्त भी जारी कर दी है। स्मार्ट स्कूल प्रोजेक्ट के तहत 2022-23 से लेकर 2026 तक के 5 वर्षों में सरकार 27360 करोड रुपए खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने ट्रेडिशनल नॉलेज सिस्टम और भविष्य की तकनीकी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा देना प्राथमिकता है। पुरानी स्कूलों को स्मार्ट स्कूल में बदलने की योजना केन्द्र सरकार ने जो नई स्कीम तैयार की है। निश्चित रूप से उसमें कई दशकों से चल रहे पुराने स्कूलों की किस्मत खुलेगी। उनमें भवन बनेंगे और नए नए उपकरण आएंगे। जिससे बच्चों की पढ़ाई कराई जाएगी। समय के बदलाव के साथ-साथ शिक्षा पद्धति में जो बदलाव लाना आवश्यक है। स्कूलों की शक्ल सूरत बड़ी तेजी के साथ बदल रही है। पढ़ाई के तौर तरीके भी बदल रहे हैं।

छात्र और शिक्षक के बीच में संवाद कम होता जा रहा है। डिजिटल संवाद बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि आगे पाठ पीछे सपाट की स्थिति छात्रों के बीच में देखने को मिल रही है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में जिस तरह से डिजिटल उपकरणों और स्मार्टफोन के जरिए पढ़ाई कराई जा रही है। उसका अच्छा असर बच्चों में नहीं पड़ता वह देख रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने संचार माध्यम और डिजिटल के सहारे जो पढ़ाई हो रही हैं। उससे स्कूली बच्चों के बौद्धिक विकास की शिक्षा नहीं मिल रही है। फ्रांस जैसे विकसित राष्ट्र ने अपने स्कूलों में स्मार्टफोन और डिजिटल तरीके से कराई जा रही पढ़ाई को प्रतिबंधित कर दिया है। उसके स्थान पर क्लास के अंदर टीचर और स्टूडेंट के बीच में लगातार संवाद हो, यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनेस्को ने भी स्मार्टफोनऔर डिजिटल पढ़ाई का विरोध किया है। स्कूली स्तर पर पुरानी परंपरागत तरीके से पढ़ाई कराए जाने के बेहतर परिणाम मिले हैं। जहां पर ऑनलाइन डिजिटल और स्मार्टफोन के जरिए पढ़ाई कराई जा रही है। वहां उसके दुष्परिणाम देखने को मिले हैं। यूनेस्को ने दुनिया भर के सभी देशों से कहा है कि वह अपनी शिक्षा नीति में बदलाव लाएं। परंपरागत शिक्षा को ही आगे बढ़ाने का काम किया जाना चाहिए।

दुनिया भर के देशों में पढ़ाई में आये बदलाव को लेकर बड़ा अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के जो परिणाम सामने आए हैं, वह बहुत चौंकाने वाले हैं। पिछले एक दशक में डिजिटल पढ़ाई तेजी के साथ क्लास रूम और होमवर्क में बढ़ी है। विकसित देशों के बच्चों में डिजिटल और स्मार्टफोन के जरिए जो पढ़ाई कराई जा रही है। उसके दुष्परिणाम देखने को मिले हैं। बच्चों का मानसिक विकास बहुत कम हुआ है। उनकी सोचने समझने और तर्क करने की क्षमता पहले की तुलना में बहुत कम हुई है। पढ़ाई के दौरान जो शंका एवं जिज्ञासा उनके मन में जन्म लेती हैं, उनके निराकरण के लिए शिक्षक ना होने का दुष्परिणाम देखने को मिला है। स्कूली बच्चों की याददाश्त कम हो रही है। वह जो पढ़ाई करते हैं। परीक्षा देने के पश्चात वह भूल जाते हैं, उन्हें याद नहीं रहता है। छात्रों और शिक्षकों के बीच में संवाद कम हो गया है। छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान नहीं हो रहा है। दुनियाभर में जो स्कूल चल रहे हैं, उस पढ़ाई का असर बच्चों पर पड़ता हुआ नहीं दिख रहा है। जिसके कारण यूनेस्को जैसी संस्था को पुरानी परंपरागत तरीके से पढ़ाई कराने पर जोर दिया जा रहा है। यह भी माना जा रहा है, कि मातृभाषा में जो पढ़ाई होती है, पढ़ाई में जो संवाद होता है, जिज्ञासाओं का समाधान, जिन स्कूलों में शिक्षकों द्वारा छात्रों के बीच किया जाता है, उनके परिणाम बहुत बेहतर पाए गए हैं। मातृभाषा में स्कूली बच्चे जल्दी से विषय को समझते हैं। जहां दूसरी भाषा में स्कूल के छात्रों को जो शिक्षा दी जाती है, वह उनके पल्ले नहीं पड़ती है। जिसके कारण मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने की बात भी बड़े पैमाने पर होने लगी है। निश्चित रूप से समय के बदलाव के अनुसार पढ़ाई के तौर-तरीके बदलने होंगे। स्कूलों और शिक्षकों को भी स्मार्ट बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने जो निर्णय लिया है, वह अच्छा है। इसमें एक ही खतरा है, मशीनें कभी मनुष्य का विकल्प नहीं बन सकती हैं। परीक्षा पास होना अलग बात है। लेकिन ज्ञान हासिल करना अलग बात है। भारत सरकार को सतत सर्वेक्षण कराकर स्कूलों में किस तरह से पढ़ाई होनी चाहिए। स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट क्लासेस बनाई जा रही हैं, उनका स्कूली बच्चों में किस तरीके का असर हुआ है। इसका लगातार अध्ययन कराने की जरूरत है. स्कूलों में प्राइमरी और मिडिल की शिक्षा छात्र के लिए बड़ी महत्वपूर्ण होती है। प्राइमरी और मिडिल में छात्र स्कूलों में जो कुछ सीखते हैं। वह जीवन भर उनके काम आता है। समय और उम्र के साथ ज्ञान विकसित होता जाता है। भारत में प्राइमरी और मिडिल की शिक्षा पूर्व की तुलना में बहुत खराब हुई है। स्कूलों में मास्टर उपलब्ध नहीं है। छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। जो हैं, वह परीक्षा देने के बाद भूल जाते हैं। आशा है, केंद्र एवं राज्य सरकारें स्कूलों की पढ़ाई में कम से कम हस्तक्षेप करें। स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक तैनात किए जाएं। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सामाजिक विज्ञान, शारीरिक विकास के लिए खेलकूद प्रतिस्पर्धा, हिंदी-अंग्रेजी भाषा अथवा जिन राज्यों में हिंदी के अलावा कोई अन्य मातृभाषा है, तो उन्हें मातृभाषा के साथ अंग्रेजी और हिंदी में पारंगत ज्ञान होना जरूरी है। हर स्कूल में कंप्यूटर और डिजिटल तकनीकी का प्रारंभिक ज्ञान स्कूली शिक्षा में दिया जाना चाहिए। भारत जैसे देश में मातृभाषा, हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा का बेहतर ज्ञान आवश्यक है। कंप्यूटर और डिजिटल तकनीकी का प्राइमरी लेवल का ज्ञान अच्छा होगा। तब भारत का युवा आज सारी दुनिया में और सारे देश में जाकर काम करने के लिए सक्षम होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो पहल की है, वह स्वागत योग्य है। इसकी निरंतर समीक्षा की जाना भी जरूरी है। समय परिवर्तन के साथ बच्चे भी शिक्षा के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ सकें।

वैश्विकी: मोदी शी जिनपिंग संवाद

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पिछले वर्ष नवम्बर में इंडोनेशिया के बाली में द्विपक्षीय संबंधों और सीमा के हालात के बारे में संवाद किया था, जिसका खुलासा 8 महीने बाद हाल में हुआ।

दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच बातचीत के बाद चीन की ओर से जारी विज्ञप्ति में पहली बार यह तथ्य प्रकाश में आया कि मोदी और जिनपिंग ने सीमा पर स्थिरता बनाए रखने के बारे में वार्ता की। पहले विदेश मंत्रालय की ओर से केवल इतना कहा गया था कि दोनों नेताओं ने केवल शिष्टाचार संबंधी कुशलक्षेम का आदान-प्रदान किया था। जाहिर है कि मामले की संवेदनशीलता और घरेलू राजनीति की पेचीदगी को ध्यान में रखते हुए इस वार्ता के बारे में पहले नहीं बताया गया। कूटनीतिक दृष्टि से यह अच्छा संकेत है कि दोनों नेताओं के बीच फिर संवाद कायम हुआ है।

इसका अगला तार्किक कदम जी-20 शिखर वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच औपचारिक विचार-विमर्श होना चाहिए। लेकिन इस संभावित वार्ता के पहले चीन अपने पुराने अड़ियल रवैये पर कायम दिखाई देता है। हाल में चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वुशू स्पर्धा में भाग लेने वाली भारतीय टीम के अरुणाचल प्रदेश से आने वाले तीन खिलाड़ियों को चीन ने सामान्य वीजा के स्थान पर स्टेपल वीजा जारी किया। भारत में विरोध स्वरूप अपने खिलाड़ियों को नहीं भेजने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने चीन की इस कार्रवाई की तीखी आलोचना की। भारत ने इस संबंध में चीन से विरोध व्यक्त किया तथा चेतावनी दी कि भारत इस कार्रवाई का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। पूर्व राजनयिकों ने यह सुझाव दिया है कि भारत को तिब्बत से संबंध रखने वाले चीनी खिलाड़ियों को भी इसी तरह का वीजा जारी करना चाहिए।

राजनयिक स्थिति यह है कि भारत तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है जबकि चीन अरुणाचल प्रदेश को एक विवादित हिस्सा करार देता है। इसी आधार पर पिछले अनेक वर्षो से चीन की ओर से स्टेपल वीजा जारी किए जाते रहे हैं। पहले भारत ने मामले को ज्यादा तूल नहीं दिया था, लेकिन वर्ष 2021 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद हालात बदल गए हैं। भारत अब जवाबी कार्रवाई करने के मूड में है। चीन यदि भारत के बारे में संवेदनशील नहीं है तो उसे भारत से भी ऐसी अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

राजनयिक हलकों में चीन के सबसे बड़े पैरोकार भारतीय मूल के एक विद्वान किशोर मेहबुबानी ने, 'एशिया की सदी' शीषर्क से एक चर्चित पुस्तक में लिखा है कि दुनिया के पिछले दो हजार साल के इतिहास में 1800 वर्ष के कालखंड में भारत और चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश रहे हैं। पिछले दो सदियों के दुर्दिन कालखंड से ऊपर उठकर अब सन दोनों देशों के सामने फिर दुनिया का सिरमौर बनने का अवसर है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि आपसी संघर्ष के कारण भारत और चीन यह अवसर गंवा सकते हैं।

संतोष की बात यह है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेना की तैनाती के बावजूद सीमा पर सामान्य रूप से शांति कायम है। दोनों देश किसी हिंसक वारदात की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्पर दिखाई देते हैं। चीनी नेतृत्व यदि बुद्धिमता का परिचय दे तो संबंधों को फिर पटरी पर लाया जा सकता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर यह बार-बार स्पष्ट कर चुके हैं कि द्विपक्षीय संबंधों को फिर पटरी पर लाने के लिए सीमा से सेना को पीछे हटाने तथा शांति एवं सामान्य स्थिति कायम रखना एक आवश्यक शर्त है।

भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से कितनी जुड़ी हुई हैं इसका एक संकेत चीन से भारत को होने वाला भारी निर्यात है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के अनुसार वर्ष 2022 में चीन का भारत को निर्यात 120 अरब डॉलर था। चीन दुनिया में भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यातकर्ता देश है।

भारत का औषधि उद्योग चीन से आने वाले कच्चे माल पर निर्भर है। प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के अभियान के बावजूद चीन के निर्यात पर भारत की निर्भरता फिलहाल कम होने वाली नहीं है। द्विपक्षीय व्यापार दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए बढ़ावा दे सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अत- उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- **मांगलिक योग-** मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- **ग्रहण योग-** ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- **केमद्रुम योग-** केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- **शकट योग-** शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- **कालसर्प दोष-** कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- **अंगारक योग-** अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- **चांडाल दोष-** चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

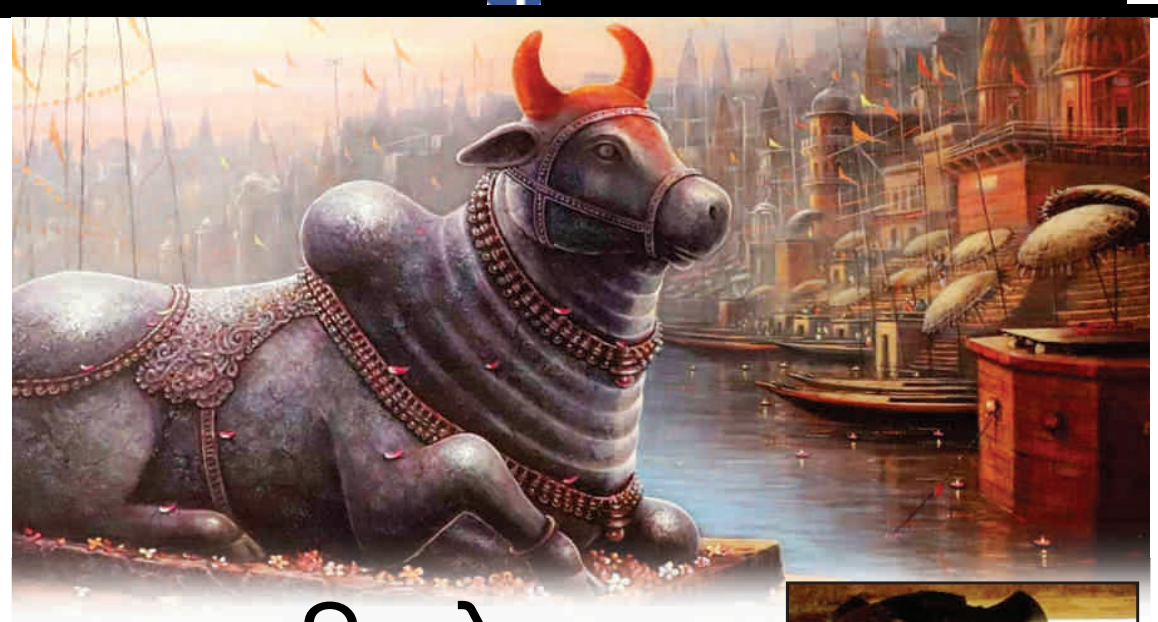

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।

कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

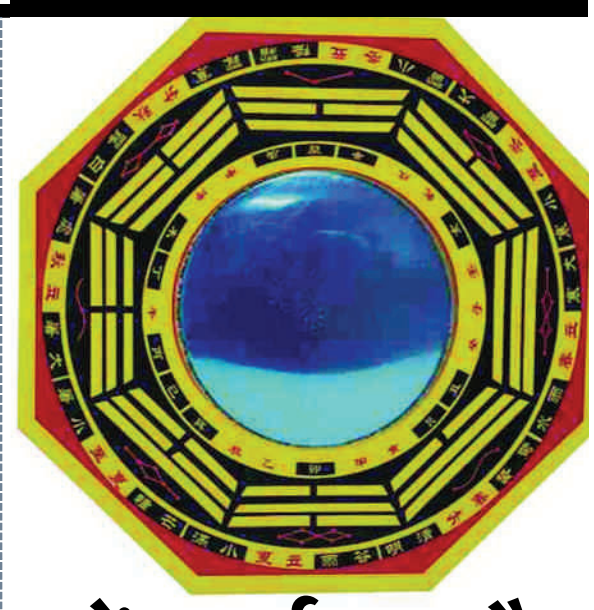

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

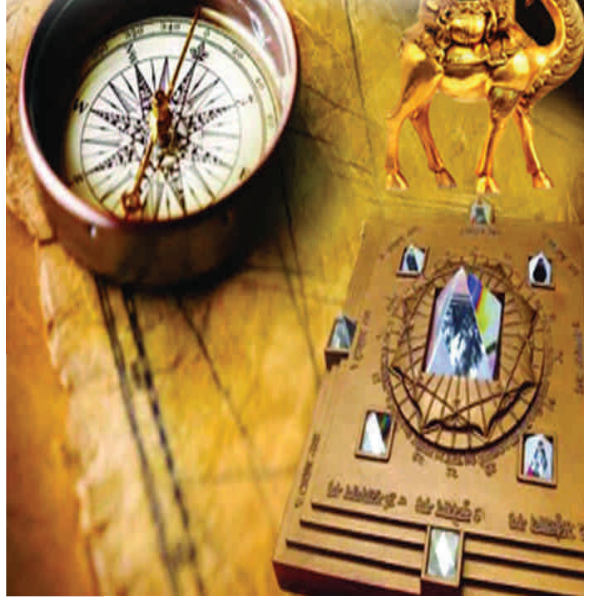

होप के अर्धशतक ने वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम को हराया

-1-1 सीरीज बराबरी पर आई

ब्रिजस्टोन (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को दूसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज की टीम ने छह विकेट से हराकर करारा जवाब दिया है। इसी के साथ ही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 1-1 से बराकर हो गयी है। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में जीत मिली थी पर दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में विफल रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम केवल 181 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले 182 रनों के लक्ष्य को मेजबान वेस्टइंडीज ने कप्तान शे होप के 63 रनों की बदौलत 36.4 ओवरों में ही चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

इस मैच में नियमिल कप्तान रोहित शर्मा को आराम देकर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंपी गयी थी। भारतीय टीम की ओर से इस मैच में सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। ईशान ने 55 रन बनाए, अन्य बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये। वहीं दूसरे ओर मेजबान टीम की ओर से स्पिनर गुडाकेश मोती और तेज गेंदबाज रामारियो शेफर्ड ने 3-3 विकेट लिए।

इस मैच में कप्तान रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी आराम दिया गया था। इन दोनो की जगह संजू सैमसन और अक्षर पटेल को अंतिम-11 में शामिल किया गया था। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की ओर से ब्रेंडन किंग और काइल मेयर्स ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी की। ब्रेंडन ने 15 तो मेयर्स ने 36 रन बनाए जबकि नंबर-3 पर उतरे एलिक अथानाजे केवल 6 ही रन बना पाये।

टीम में वापसी करने वाले शिमरॉन हेटमायर इस मैच में भी नाकाम रहे वह 9 रन ही बना पाये। वह अपले मैच में भी अधिक रन नहीं बना पाये थे। हेटमायर को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया। इस विकेट के गिरने के बाद होप और केची कार्टी ने नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी करके टीम की जीत तय की। होप ने 63 रन जबकि कार्टी ने 65 गेंद पर 48 रन बनाये। भारत की ओर से तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने 3 विकेट लिए।

इससे पहले वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान शे होप ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ईशान ने इस लगातार दूसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाकर अपने को साबित किया। वहीं शुभमन गिल ने 34 रन बनाये। इन दोनों ही सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई. लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही टीम इंडिया बिखर गयी और भारतीय टीम ने अगले 7.2 ओवर में ही 23 रन पर अपने 5 विकेट खो दिये।

बारिश के कारण खेल में दो बार बाधा भी आई। इस में मिले अवसर का सैमसन लाभ नहीं उठा पाये और केवल 9 रन ही बना सके जबकि नंबर-4 पर खेलने वाले अक्षर पटेल भी एक रन ही बना पाये। हार्दिक ने भी निराश किया। वह भी 7 रन ही बना पाये। सूर्यकुमार यादव ने भी केवल 24 रन बनाये। रवींद्र जडेजा 10 जबकि शार्दुल ठाकुर ने 16 रन बनाए। भारतीय टीम 40.5 ओवरों में ही 181 रन पर सिमट गयी।

द्रविड़ ने दूसरे एकदिवसीय में हार पर निराशा जतायी, युवाओं को अवसर देने का कारण बताया

ब्रिजस्टोन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए युवाओं को अवसर देने का कारण भी बताया। द्रविड़ ने कहा कि टीम के कुछ खिलाड़ी चोटिल हैं जिनका खेलना अभी तय नहीं है। इसी को देखते हुए युवाओं को अवसर दिये जा रहे हैं ताकि कव मुश्सिल समय में खेल सकें। वहीं दूसेर एकदिवसीय में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को आराम दिए जाने की आलोचना को लेकर उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी काफी समय से खेल रहे हैं और आगामी विश्वकप के लिए इन्हें आराम दिया जाना भी जरुरी है। द्रविड़ ने मैच के बाद नए खिलाड़ियों को लेकर भी अपनी बात कही। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर द्रविड़ का एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें द्रविड़ ने कहा कि हम अलग-अलग खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे, जिससे खराब स्थिति से पहले वे तैयार हो सकें। एशिया कप से पहले हमारे पास 2 से 3 ही मैच हैं।

महिला विश्व कप: मोरक्को ने दक्षिण कोरिया को 1-0 हराकर इतिहास रचा

एडिलेड। (एजेंसी)। मोरक्को ने रविवार को यहां महिला विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया की टीम को 1-0 से पराजित करके इतिहास रचा। मोरक्को की डिफेंडर नोहेला बेनजिना इस मैच में हिजाब पहनकर उतरी। वह पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने सीनियर स्तर पर विश्व कप मैच में हिजाब पहना। इसके बाद इब्तिसाम जरादी ने मोरक्को की तरफ से विश्व कप में पहला गोल किया जो आखिर में उनकी टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ।

जरादी ने मैच के छठे मिनट में ही गोल कर दिया था और उसके बाद उनकी टीम ने आखिर तक इसका सफलतापूर्वक बचाव किया। मोरक्को अपना पहला मैच जर्मनी से 0-6 से हार गया था लेकिन दक्षिण कोरिया पर जीत से उसने नॉकआउट में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी हैं।उसका अगला मुकाबला कोलंबिया से होगा जबकि दक्षिण कोरिया का सामना जर्मनी से होगा।

मैं गेंदबाजों में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा : हार्दिक

ब्रिजस्टोन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान की थी पर इस मैच में उन्हें हार को सामना करना पड़ा। पंड्या सर्जरी के बाद वापसी करते हुए अब तक पूरी ताकत से गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं। दूसरे एकदिवसीय में हार्दिक ने तीन जबकि दूसरे में छह ओवर फेंके थे। इससें उनका प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। पंड्या ने दूसरे एकदिवसीय में 6.4 ओवर में 38 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि पहले मैच में पंड्या ने 3 ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया था। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे एकदिवसीय में 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए फिट हैं या नहीं। दूसरे एकदिवसीय के बाद पंड्या ने कहा कि विश्व कप को देखते हुए ही मैं अधिक गेंदबाजी कर रहा हूं। इस प्रकार धीरे-धीरे मैं फिटनेस हासिल करने की ओर बढ़ रहा हैं। इस समय मैं कछुए की गति से आगे बढ़ रहा हूं, ना कि खरगोश की तरह तेजी से। हार्दिक ने मैच को लेकर कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी पर हमारा प्रदर्शन खराब होने के कारण हमें इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि खराब शॉट खेलकर हमारे बल्लेबाजों ने विकेट गंवाये। शार्दुल ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी करके उम्मीदों को बनाये रखा। उन्होंने कहा कि अभी सीरीज 1-1 से बराबर है। ऐसे में दोनों ही टीमों के लिए अंतिम एकदिवसीय निर्णायक होने जा रहा है। इससे खिलाड़ियों के साथ-साथ ही प्रशंसकों को भी अच्छा मैच देखने को मिलेगा।

भारतीय महिला टीम ने स्पेनिश महासंघ हॉकी टूर्नामेंट में स्पेन को 3-0 से हराया

बार्सिलोना (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दबदबे भरा प्रदर्शन करे हुए रविवार को यहां स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ पर हो रहे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मेजबान स्पेन पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की। भारतीय टीम को अभी तक टूर्नामेंट में हार का सामना नहीं करना पड़ा है, उसके लिये वंदना कटारिया ने 22वें मिनट, मोनिका ने 48वें मिनट और उदिता ने 58वें मिनट में गोल दागे।

शनिवार को इंग्लैंड पर सफलता से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर से ही मजबूत शुरुआत की। खिलाड़ियों ने सतर्कता बरतते हुए छोटे और सटीक पास से अनुशासित प्रदर्शन जारी रखा जिससे उन्होंने सर्कल में मौके बनाये लेकिन मेहमान टीम पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकी। स्पेन ने भी पहले क्वार्टर के अंतिम पांच मिनट में कुछ अच्छे प्रयास किये लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने बेहतरीन

बचाव कर प्रतिद्वंद्वियों को दूर ही रखा।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबदबा बनाया जिससे उनकी बढ़त हासिल करने की भूख स्पष्ट दिखी। सुशीला ने 22वें मिनट में मैदानी गोल करने का अच्छा मौका बनाया और नेहा गोयल को सर्कल के ऊपर पास दिया लेकिन उनका शॉट स्पेनिश गोलकीपर क्लारा पेरेज के पैड से वापस आ गया। इंग्लैंड के खिलाफ तीन गोल करके स्टार रहीं लालरेमसियामी ने रिबाउंड को गोलकीपर के पास स्मैश किया और वहीं मौजूद वंदना ने इसे छुआकर गोललाइन के अंदर पहुंचा दिया। बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने सर्कल के अंदर कई बार सेंध लगाई।

स्पेन पर दबाव बढ़ता जा रहा था और भारत ने मोनिका के पेनल्टी कॉर्नर पर 48वें मिनट में किये गये गोल से बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने फिर दीप ग्रेस एक्का, निक्की प्रधान और सुशिला चानू की बदौलत रक्षण भी मजबूत किया जिससे स्पेन के हमलों पर लगाम लगी रही। हूटर बजने से दो मिनट पहले उदिता ने बेहतरीन ड्रिब्लिंग का नजारा पेश करते हुए तीसरा गोल दाग दिया।

भारतीय जूनियर निशानेबाजों की होटल के नियम तोड़ने के लिए शिकायत

नई दिल्ली । भारतीय निशानेबाजी दल के कुछ सदस्यों ने हाल में चांगवोन में तीसरी विश्व जूनियर चैंपियनशिप के दौरान उस होटल के नियमों का उल्लंघन किया जहां वे ठहरे थे। इस घटना की शिकायत 90 सदस्यीय दल के साथ गए अधिकारियों से की गई है। भारतीय टीम के साथ गए एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि होटल के स्वागत कक्ष ने एक घटना की जानकारी दी जिसमें एक महिला निशानेबाज को पुरुष निशानेबाज के कमरे में पाया गया। इसके अलावा होटल के कुछ कमरों में सामान को नुकसान के मामले भी सामने आए। अधिकारी ने बताया, 'हम स्वतंत्र रूप से घटना (महिला निशानेबाज का पुरुष निशानेबाज के कमरे में मिलना) की पुष्टि नहीं कर पाए क्योंकि किसी ने भी उन्हें कमरे के अंदर जाते या बाहर निकलते हुए नहीं देखा।' उन्होंने कहा, 'हालांकि होटल ने कमरों में कुछ सामान को नुकसान पहुंचाने की जानकारी दी जिसके लिए उन्हें भरपाई कर दी गई।' अधिकारी ने कहा, 'होटल के स्वागत कक्ष ने महिला निशानेबाज के पुरुष निशानेबाज के कमरे में मिलने की घटना की भी जानकारी दी लेकिन उक्त निशानेबाजों से बात करने पर कुछ नहीं पता चला। टीम का कोई भी सदस्य होटल द्वारा शिकायत की गई गतिविधियों में लिप्त नहीं था।' भारत ने कोरिया के शहर में 24 जुलाई को संपन्न हुए टूर्नामेंट के लिए प्रतिस्पर्धी देशों के बीच सबसे बड़ा दल भेजा था। भारत छह स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक के साथ चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। चीन ने 12 स्वर्ण सहित 28 पदक जीते थे। अधिकारी ने कहा, ''जिन निशानेबाजों की शिकायत की गई वे अपने खर्चे पर गए थे। वे शॉटगन निशानेबाज हैं।' अपने खर्चे पर जाने वाले निशानेबाजी 'न्यूनतम क्वालीफिकेशन स्कोर' (एमक्यूएस) वर्ग में चुनौती पेश करते हैं।

अफगानिस्तान के युवा बल्लेबाज सेदिकुल्लाह ने एक ही ओवर में लगाये सात छक्के

मुम्बई । अफगानिस्तान के क्रिकेटर लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। अब काबुल में खेली जा रही प्रीमियर लीग में युवा बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल ने सभी को हैरान करते हुए एक ओवर में सात छक्के मार दिये। अपनी टीम शाहीन हंटर्स का नेतृत्व करते हुए सेदिकुल्लाह ने बाएं हाथ के स्पिनर आमिर जजई के एक ही ओवर में सात छक्के लगा दिये। जजई ने एक नोबाल की थी जिसके कारण उन्हें अतिरिक्त गेंद फेंकनी पड़ी, इसपर भी छक्का लगा। वहीं पारी का 19वां ओवर जजई के लिए एक बुरे सपने में बदल गया क्योंकि उन्होंने 48 रन दिए। उस अहम ओवर से पहले शाहीन हंटर्स ने छह विकेट पर 158 रन बनाये थे। सेदिकुल्लाह तब 43 गेंदों पर 71 रनों की जबरदस्त पारी खेल रहे थे। अपना अंतिम ओवर फेंकने आए जजई ने एक विकेट लिया था पर अपने पिछले तीन ओवरों में 31 रन दिए थे। सेदिकुल्लाह ने तेजी से छक्का लगा दिया। अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दिया। इसके बाद इस बल्लेबाज ने अपना हमला जारी रखा और लगातार छक्के जड़ दिये। इस प्रकार टीम का स्कोर 200 से आगे निकल गया। जजई की गेंदबाजी पर उन्हें चार ओवरों में 79 रन पड़े। शाहीन हंटर्स ने अपनी पारी छह विकेट पर 213 रन के विशाल स्कोर के साथ समाप्त की जिसमें सेदिकुल्लाह ने केवल 56 गेंदों पर सात चौकों और दस छक्कों की सहायता से नाबाद 118 रन बनाये। वहीं कठिन लक्ष्य के जवाब में डिफेंडरों को संघर्ष करना पड़ा और अंतत: 18.3 ओवर में 121 रन पर सभी खिलाड़ी पेवेलियन लौट गये। इससे हंटर्स को 92 रन की शानदार जीत मिली।

बोल्ट की अमेरिकी एमएलसी लीग में घातक गेंदबाजी से फाइनल में पहुंची एमआई

-प्लेसिस, सेंटनर, कॉन्वे जैसे बल्लेबाजों को बनाया शिकार

डलास (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट आजकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की जगह पर अमेरिका में जारी नई टी20 लीग एमएलसी में खेल रहे हैं। बोल्ट ने यहां घातक गेंदबाजी करते हुए एमआई न्यूयॉर्क की ओर से कई दिग्गज बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है। इसी कारण एमआई की टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। बोल्ट ने टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में फाफ डु प्लेसिस, मिचेल सेंटनर, डेवॉन कॉन्वे और केल्विन सैवेज जैसे बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। उनकी

अच्छी गेंदबाजी के कारण एमआई की टीम फाइनल में पहुंच गयी है।

बोल्ट ने लगातार तीसरे मैच में चार विकेट लिए हैं। इससे पहले एलिमिनेटर मुकाबले में भी उन्होंने वाशिंगटन फ्रीडल के खिलाफ 4 विकेट लिए थे। तब उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन फिलिप्स, अकील हुसौन और मार्को जानसेन के विकेट लिए थे। पहले ग्रुप दौर के अंतिम मुकाबले में भी उन्होंने सिएटल ऑर्कास के खिलाफ 4 विकेट लिए थे।

मेजर लीग क्रिकेट में बोल्ट ने अभी तक 7 मैच खेलते हुए 19 विकेट हैं। वह अब तक लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। उनके बाद कैमरून गैनन के सबसे ज्यादा 11 विकेट हैं। बोल्ट के इस प्रदर्शन से विश्वकप में उनकी टीम में वापसी हो सकती है। बोल्ट ने पहले ही कहा था कि भले ही उन्होंने केन्द्रीय अनुबंध नहीं किया है पर वह एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहेंगे। ऐसे में क्रिकेट न्यूजीलैंड उन्हें अवसर दे सकती है। इसका कारण है कि पावरप्ले के ओवर में बोल्ट काफी खतरनाक होते हैं। 2019 विश्व कप में बोल्ट ने 10 मैचों में 17 विकेट लिए थे।

1600 करोड़ की कमाई....इसकारण ओलंपिक में शामिल होगा क्रिकेट

नई दिल्ली । क्रिकेट फिर से ओलंपिक में दिख सकता है। 1900 में एकमात्र एक बार क्रिकेट को खेल के महाकुंभ में जगह मिली थी। अब 128 साल बाद फिर से ओलंपिक गेम्स में वापसी हो सकती है। 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट को जगह मिल सकती है। टी20 फॉर्मेट में ओलंपिक में क्रिकेट को जगह मिलेगी जबकि 1900 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट के आधार पर इसका आयोजन हुआ था। अब क्रिकेट को 2028 के अलावा ब्रिसबेन में 2032 में होने वाले ओलंपिक में भी जगह मिलने की संभावना है। इसके पीछे ब्रॉडकॉस्टिंग राइट्स से होने वाली आय को माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2028 लॉस एंजिलिस में ओलंपिक में महिला और पुरुष क्रिकेट को जगह मिल सकती है। टी20 फॉर्मेट के आधार पर इसका आयोजन होगा। हालांकि दोनों ही कैटेगरी में सिर्फ 5-5 टीमों को मौका दिया जाएगा। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर टीमों पर फैसला हो सकता है। इसके पहले 2022 में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला क्रिकेट को शामिल किया गया था, तभी से इसके ओलंपिक में शामिल किए जाने की चर्चा है। पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक के लिए भारत में ब्रॉडकॉस्टिंग राइटस लगभग 165 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। यदि क्रिकेट को 2028 और 2032 ओलंपिक में शामिल किया जाता है, तब राइटस से ब्रॉडकॉस्टर को करीब 1600 करोड़ रुपये की आमदनी हो सकती है। यानी इसमें 10 गुना उछाल की उम्मीद है। इंटरनेशनल ओलंपिक में क्रिकेट सहित 9 खेलों को 2028 ओलंपिक में शामिल किए जाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। क्रिकेट के अलावा इसमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रॉस, ब्रेक डान्सिंग, कराते, किक बॉक्सिंग, स्क्वॉश और मोटरस्पोर्ट्स शामिल हैं। इस साल के अंत पर क्रिकेट को लेकर फैसला हो सकता है।

वेस्टइंडीज में प्रसंसकों ने विराट को उपहार में दिया ब्रेसलेट

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज दौरे पर गयी टीम इंडिया के क्रिकेटरों का जबरदस्त क्रेज है। यहां युवा प्रशंसकों ने टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को उपहार में एक ब्रेसलेट दिया है। इसके अलावा प्रशंसक भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा सूर्यकुमार यादव व अन्य बल्लेबाजों के साथ ही तस्वीर खिंचाते नजर आये हैं। इस वीडियो को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जारी किया है। इसमें खिलाड़ियों को प्रशंसकों के साथ ही तस्वीर खिंचवाते और ऑटोग्राफ देते हुए एक वीडियो भी पोस्ट किया। बीसीसीआई ने ट्विटर पर अपने पोस्ट के साथ लिखा, बारबाडोस में क्रिकेट प्रशंसकों ने विराट को एक ब्रेसलेट भी उपहार में दिया। दरअसल एक युवा प्रशंसक ने कोहली को ब्रेसलेट तोहफे में दिया। कोहली ने इस उपहार को स्वीकार करते हुए अपनी दाहिनी कलाई पर पहना और इसके लिए युवा प्रशंसक के प्रति आभार भी जताया। इसी दौरान कप्तान रोहित और बल्लेबाज सूर्यकुमार भी प्रशंसकों में शामिल हो गए और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में प्रशंसकों को कोहली को देखने और उनके साथ सेल्फी लेने के दौरान उत्साहित देखा गया।

कैटी लेडेकी ने विश्व चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते, माइकल फेल्प्स को पछाड़ा

फुकुओका । अमेरिका की कैटी लेडेकी ने इतिहास की सबसे महान महिला तैराक के रूप में अपनी विरासत में इजाफा करते हुए शनिवार को यहां विश्व तैराकी चैम्पियनशिप की 800 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा जीतने के साथ दो रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस 26 साल की तैराक ने विश्व चैम्पियनशिप में एक ही स्पर्धा छह बार जीती जिससे वह ऐसा करने वाली पहली तैराक बन गई जो उनका 16वां व्यक्तिगत विश्व खिताब था। इसकी बदौलत वह माइकल फेल्प्स का विश्व चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक के रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल रहीं। लेडेकी ने दबदबा बनाते हुए आठ मिनट 8.87 सेकेंड के समय से स्पर्धा जीती। उन्होंने मंगलवार को 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण पदक जीता था और साथ ही उन्होंने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीता था। चीन की लि बिंगजी ने रजत और आस्ट्रेलिया की अरियाने टिटमस ने कांस्य पदक हासिल किया।

टीम इंडिया को लेकर युवराज की आशंकाए सच होती जा रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर युवराज सिंह की 2023 विश्वकप को लेकर भविष्यवाणी सच होती दिख रही है। युवराज ने अभी कुछ दिन पहले ही कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारतीय टीम इस बार विश्वकप जीतेगी। तब युवराज ने कहा कि अभी भारतीय टीम के कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल हैं। इसका भी नुकसान टीम इंडिया को हो सकता है। साथ ही कहा कि वह भी अन्य प्रशंसकों की तरह ही भारतीय टीम को जीत दर्ज करते हुए देखना चाहते हैं पर वास्तविक हालतों पर भी हमें ध्यान देना होगा।

अब जबकि भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में 200 रन तक भी नहीं पहुंच पायी और उसे वेस्टइंडीज जैसी टीम से हार का सामना करना पड़ा है। उसको देखते युवराज की भविष्यवाणी सच होती दिख रही है। वेस्ट इंडीज टीम विश्वकप के लिए भी इसबार क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इससे भी पता चलता है कि उसका स्तर कितना नीचे है। उससे भी मिली हार टीम इंडिया के प्रदर्शन पर सवाल खड़े करती है। दूसरे एकदिवसीय में टीम इंडिया का मध्यक्रम पूरी तरह से फ्लॉप रहा है। यूवी ने कहा था कि आप भारत की मध्य क्रम में देखें, तो चोट के कारण कई परेशानी चल रही है. ऐसे में उनका विश्व कप जीतना मुश्किल हो सकता है। युवराज ने यह भी कहा था कि भारत को मध्यक्रम में ऐसे खिलाड़ी चाहिए, जो दबाव का सामन कर सके। खासकर नंबर 4 पर भारत को अच्छे खिलाड़ी की जरूरत है। नंबर 4 के लिए युवराज ने ऋषभ पंत और केएल राहुल का नाम सामने किया पर ये दोनो ही किया था पर अभी ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं हालांकि राहुल जल्द टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं जबकि ऋषभ पंत को अभी समय लगेगा। टीम का मध्य क्रम विश्व कप से पहले लगातार असफल होता दिख रहा है। पहले एक दिवसीय में सूर्यकुमार यादव ने 19 जबकि हार्दिक पंड्या ने 5 रन बनाए थे। ईशान किशन को छोड़ अन्य खिलाड़ियों का भी बल्लेबाजी प्रदर्शन खास नहीं रहा। दूसरे एकदिवसीय में भी कुछ ऐसा ही हुआ। संजू सैमसन , अक्षर पटेल ने , सूर्यकुमार यादव के अलावा हार्दिक पंड्या भी रन नहीं बना पाये। इन हालातों से दिखता है कि टीम एक ईकाई के तौर पर नहीं खेल रही। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं खेलने से टीम ढ़ह गयी जबकि विश्वकप जीतने सभी को बेहतर खेलना होता है।

नशे में धुत्त होकर फ्लाइट में करता रहा छेड़खानी, मां-बेटी दुबकी बैठी रही

न्यूयॉर्क । अमेरिका में डेल्टा एयरलाइंस में एक यात्री ने शराब के नशे में धुत्त होकर मां बेटी के साथ छेड़खानी की, जबकि पूरे सफर के दौरान वो परेशान होती रही, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट ने उनकी बात को अनसुना कर दिया। सफर में एक महिला और उसकी 16 वर्षीय बेटी शामिल थीं। 9 घंटे की विमान यात्रा के दौरान उन दोनों मां-बेटी के बगल वाली सीट पर बैठा यात्री कथित रूप से यौन उत्पीड़न करता रहा। इस संबंध में दायर मुकदमे में दावा किया गया है कि डेल्टा एयरलाइन्स की फ्लाइट में सवार वह यात्री कम से कम 10 बार शराब (वोदका) पी चुका था और नशे में बिल्कुल धुत्त था। इस दौरान उसने कई बार उन मां-बेटी को गलत ढंग से टच किया। आरोप है कि उस शख्स के इस अभद्र व्यवहार से किशोरी घबरा गई और उसे दौरा पड़ने लगा। वहीं फ्लाइट अटेंडेंट ने उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। मीडिया में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रुकलिन फेडरल कोर्ट में प्रस्तुत मुकदमे के दस्तावेजों के अनुसार, जेएफके एयरपोर्ट से बाहर लगभग नौ घंटे की दुखी करने वाली यात्रा के दौरान मां-बेटी दुर्व्यवहार करने वाले सहयात्री को शराब नहीं दिए जाने की भी मांग करते रहे, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट ने उन दोनों की गुहार को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज किया। 26 जुलाई 2022 की यात्रा के बारे में परिवार के वकील इवान ब्रुस्टीन ने कहा कि उड़ान के दौरान उनके साथ जो हुआ वह सिर्फ एक बुरा सपना नहीं था, यह पूरी तरह से रोका जा सकता था। ब्रुकलिन फेडरल कोर्ट में दायर मुकदमें में फ्लाइट स्टाफ पर आरोप है कि उसने एक व्यक्ति को कथित तौर पर वोदका परोसा, जबकि वह पहले से ही नशे में दिख रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब मां ने अपनी चिंता जाहिर की तो एक फ्लाइट अटेंडेंट ने उनकी शिकायत को अनसुना कर दिया और 'धैर्य रखने' की बात कह कर चली गई। मां और उसकी बेटी की रिपोर्ट के अनुसार, व्यक्ति ने शराब का गिलास लेकर वापस आने से पहले कुछ देर टॉयलेट में चला गया। नशे में धुत्त व्यक्ति को दूसरी सीट पर स्थानांतरित करने के बजाय, एक फ्लाइट अटेंडेंट ने कथित तौर पर उसे पीड़ितों के साथ बातचीत बंद करने का निर्देश दिया। इससे नशे में धुत यात्री का अपशब्दों से भरा गुस्सा फूट पड़ा, जिसने मां और उसके बच्चे को मौखिक रूप से गाली देना शुरू कर दिया। 2 मिलियन डॉलर के मुकदमे के अनुसार नशे में धुत्त डेल्टा यात्री ने लड़की के शरीर को गलत तरीके से छुआ। वहीं डेल्टा एयरलाइंस ने इस मुकदमे के संबंध में कोई टिप्पणी देने से इनकार कर दिया।

यूक्रेनी ड्रोन ने मॉस्को में किया हमला, दो सरकारी बिल्डिंग हुईं ध्वस्त

मॉस्को । यूक्रेनी ड्रोन ने मॉस्को में दो सरकारी बिल्डिंग को निशाना बनाकर ध्वस्त कर दिया है। इस तरह से रूस और यूक्रेन में छिड़ी जंग अब मॉस्को तक पहुंच गई है। जिसका खामियाजा अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भुगतना पड़ रहा है। दरअसल, शनिवार देर रात यूक्रेन ने मॉस्को पर ड्रोन हमला किया, जिसमें एक सरकारी बिल्डिंग को जबरदस्त नुकसान पहुंचने की खबर है। रूसी मीडिया के अनुसार, हमला रात के समय किया गया, जिसकी जद में दो सरकारी बिल्डिंग आ गईं। दोनों बिल्डिंगों में लगे कांच टूट गए और उनके सामने वाले हिस्से को मामूली नुकसान पहुंचा। बाद में मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के बताया कि इस हमले में किसी को चोट नहीं आई है। हालां?कि रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के एक ड्रोन को मार गिराने का दावा किया था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि यह इस महीने में मॉस्को पर यूक्रेन का तीसरा ड्रोन हमला था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तड़के घटी इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। हालां?कि उसने यह विस्तृत जानकारी नहीं दी कि ड्रोन को कहां मार गिराया गया, लेकिन बताया कि घटना मॉस्को ओबलास्ट इलाके की है। गौरतलब है कि रूस के यूक्रेन पर हमलों की शुरुआत को 18 महीने होने वाले हैं और इस हमले से मॉस्को की चिंता बढ़ेगी। रूस की सेना ने कहा कि चार जुलाई को हुए एक अन्य हमले में वायु सेना ने मॉस्को के बाहर चार ड्रोन को मार गिराया और पांचवें को उतरने पर मजबूर कर दिया गया।

मस्क से अपनी केज फाइट को लेकर निश्चित नहीं जुकरबर्ग

सैन फ्रांसिस्को । मेटा संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि वह एलन मस्क के साथ संभावित केज फाइट को लेकर निश्चित नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मेटा में एक आंतरिक बैठक में, एक कर्मचारी ने जुकरबर्ग से पूछा कि प्रत्याशित केज फाइट कब होगी। इस पर, जुकरबर्ग ने जवाब दिया कि मुझे नहीं पता ।मेरे पास इस लेकर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं है। मेरा मतलब है, जैसा कि आप सभी जानते हैं, मुझे लड़ना पसंद है। चीजों को बनाने से परे, यह शायद मेरे लिए दूसरे स्थान का शगल है, जहां चीजें बनाना मेरा नंबर एक प्यार है, वहीं लड़ना शायद नंबर दो है। उन्होंने कहा, मैंने जिउ जित्सु प्रतियोगिताएं की हैं। मुझे यकीन नहीं है कि यह एक साथ आने वाला है, लेकिन यह कुल मिलाकर एक महान खेल है। पिछले हफ्ते, जुकरबर्ग को कई वर्षों के प्रशिक्षण के बाद ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु में ब्लू बेल्ट से सम्मानित किया गया था। लड़ाई की चर्चा शुरू में तब हुई जब मस्क ने पिछले महीने एक ट्वीट का जवाब दिया कि मेटा एक ट्विटर प्रतियोगी को रिहा कर रहा है। इस पर एक यूजर ने जवाब दिया, बेहतर होगा सावधान रहें एलन मस्क, मैंने सुना है कि वह अब जिउ जित्सु करता है। मस्क ने जवाब दिया, अगर वह हाहाकार मचाता है, तब मैं पिंजरे से मैच के लिए तैयार हूं। 5 जुलाई को मेटा द्वारा थ्रेड्स लांच करने के बाद मस्क जुकरबर्ग की आलोचना कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, मस्क ने जुकरबर्ग का मज़ाक उड़ाकर कहा था, जक एक मूर्ख है।

चीन ने अमेरिका पर ताइवान को 'हथियार के डिपो' में तब्दील करने का आरोप लगाया

ताइपे। चीन ने अमेरिका पर ताइवान को 'हथियार डिपो' में तब्दील करने का आरोप लगाया है। उसने यह आरोप तब लगाया है, जब व्हाइट हाउस ने ताइपे के लिए 34.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता की घोषणा की है और ताइवान ने रविवार को कहा कि उसने अपनी समुद्री तट पर चीन के छह नौसैनिक जहाजों का पीछा किया। चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने शनिवार देर रात एक बयान जारी कर ताइवान को सैन्य सहायता दिए जाने का विरोध किया। चीन ताइवान पर अपना दावा जताता है। ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता चेन बिनहुआ ने कहा, ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ताइवान की अलगाववादी ताकतें आम करदाताओं का कितना पैसा खर्च करती हैं, अमेरिका कितने हथियार देता है, लेकिन इससे ताइवान समस्या को हल करने या हमारी मातृभूमि के एकीकरण को साकार करने का हमारा संकल्प नहीं डगमगाएगा।'' बयान में कहा गया है, ''अमेरिका का कृत्य ताइवान को बारूद के ढेर और हथियार डिपो में बदल रहा है, जिससे ताइवान जलडमरूमध्य में युद्ध का खतरा बढ़ रहा है।'' चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने हाल के वर्षों में ताइवान के प्रति लक्षित सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं, जिसमें द्वीपीय देश को घेरने के लिए क्षेत्र में लड़ाकू विमान और युद्धपोत भेजना शामिल है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बम धमाका, 10 की मौत, 30 हुए घायल... बढ़ सकता है आंकड़ा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान रविवार को एक बार फिर से बड़े बम धमाके से दहल गया है। यहां रविवार को धमाका हुआ है। इस बम धमाके में 20 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही धमाके में 50 से अधिक लोग बुरी तरह से जख्मी हैं और घायल हुए है। बता दें कि ये बम धमाका पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके के बाजौर में हुआ है। बाजौर में जब ये बम धमाका हुआ उस समय वहां जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल की बैठक हो रही थी। इस बैठक में कई कार्यकर्ता और नेता हिस्सा लेने बाजौर में पहुंचे थे। उसी दौरान जोरदार बमधमाका हुआ है। इसी बैठक को आतंकियों ने अपना निशाना बनाया है और बैठक स्थल पर ही विस्फोट कर दिया। आंतकियों द्वारा बम विस्फोट किए जाने के बाद पूरे इलाके में अफता तफरी का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई है। पुलिस और स्थानीय नागरिक बचाव कार्य में जुट गई है वहीं मौके से घायलों को हॉस्पीटल पहुंचाया जा रहा है। इस विस्फोट के बाद स्थानीय पुलिस राहत कार्य में जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक इस बैठक में हुए बम विस्फोट में लगभग 10 लोगों की मौत हुई है और 30 लोग जख्मी हुए है। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक इस बम विस्फोट की घटना के बाद हादसे में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। इस घटना को लेकर पाकिस्तान के अधिकारी ने स्थानीय मीडिया को जानकारी दी कि अभी इस बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है कि विस्फोट कैसे हुआ है। इस संबंध में पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने पूरा इलाका घेराबंदी कर बंद कर दिया है।

चीन के फुजियन प्रांत में आई बाढ़ के बाद चारों ओर पानी ही पानी नजर आया।

हर्षवर्धन सिंह अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल, रिपब्लिकन में तीसरे भारतवंशी

अमेरिका में भारतीय मूल के इंजीनियर हर्षवर्धन सिंह ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की है। वह निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के बाद भारतीय मूल के तीसरे व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के लिए रिपब्लिकन पार्टी में अपनी दावेदारी पेश की है। सिंह (38) ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश में कहा कि वह ''आजीवन रिपब्लिकन'' और ''अमेरिकी हितों को तवज्जो'' देने वाला शख्स रहे हैं, जिन्होंने न्यू जर्सी रिपब्लिकन पार्टी के एक रूढ़िवादी विंग को बहाल करने के लिए काम किया। सिंह ने शुक्रवार को तीन मिनट के वीडियो में कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में हुए बदलावों को पलटने और अमेरिकी मूल्यों को बहाल करने के लिए हमें मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। इसीलिए मैंने 2024 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से नामांकन की दौड़ में उतरने का फैसला किया है।'' 'द हिल' अखबार की शुक्रवार की खबर के अनुसार, उन्होंने बृहस्पतिवार को संघीय चुनाव आयोग के समक्ष आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। सिंह से पहले, साउथ कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर हेली (51) और करोड़पति उद्यमी रामास्वामी (37) ने इस साल की शुरुआत में शीर्ष अमेरिकी पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी। वे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुकाबला करेंगे, जो कानूनी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से नामांकन की दौड़ में आगे हैं।

वित्तीय संकट के कारण लाखों लोगों के लिए खाद्य सहयोग में कटौती करने को मजबूर हुआ संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र विकट वित्तीय संकट के कारण दुनियाभर के बहुत से देशों के लाखों लोगों के लिए खाद्य, नकदी के भुगतान और सहायता में कटौती करने के लिए मजबूर हुआ है। एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि भुखमरी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है पर विश्व निकाय की ओर से दिए जाने वाले दान में करीब आधी गिरावट देखने को मिली है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उपकार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिन 86 देशों में डब्ल्यूएफपी संचालित होता है उनमें से कम से कम 38 देशों में पहले ही कटौती देखी जा चुकी है या जल्द ही सहायता में कटौती की योजना है। इन देशों में अफगानिस्तान, सीरिया, यमन और पश्चिम अफ्रीका के देश शामिल हैं। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफपी के संचालन के लिए 20 अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत है ताकि हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाई जा सके, लेकिन एजेंसी ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान 10 से 14 अरब अमेरिकी डॉलर ही प्राप्त किए हैं।

स्काऊ ने कहा कि मानवीय जरूरतें वर्ष 2021 और 2022 में कोविड-19 महामारी एवं यूक्रेन युद्ध तथा इसके वैश्विक प्रभाव के कारण बहुत अधिक बढ़ गई थीं। उन्होंने कहा, ''वे जरूरतें अनवरत रूप से बढ़ रही हैं, क्योंकि इसके कारण वहां अब भी मौजूद हैं। लेकिन धन तेजी से खत्म हो रहा है। इसलिए हम वर्ष 2024 में स्थिति को और भयावह होता देख रहे हैं।'' अधिकारी ने कहा कि आज खाद्य एवं पोषण से जुड़ा इतिहास का सबसे बड़ा संकट मौजूद है। स्काऊ ने कहा कि इस साल 34.5 करोड़ लोगों का गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझना जारी है जबकि करोड़ों लोगों पर भुखमरी का संकट मंडरा रहा है। स्काऊ ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के दौरान जलवायु परिवर्तन, कई आपदाओं, खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति का बरकरार रहना और बढ़ते कर्ज से उपजे तनाव के साथ-साथ संघर्ष और असुरक्षा दुनियाभर में गंभीर भुखमरी की प्राथमिक वजह बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''लेकिन यह स्पष्ट है कि सहायता बजट और मानवीय बजट, दोनों ही यूरोप और अमेरिका में उस स्तर पर नहीं हैं, जहां वे वर्ष 2021-22 में थे।''

इसके पहले स्काऊ ने मार्च में कहा था कि अफगानिस्तान में भुखमरी के आपात स्तर का सामना कर रहे समुदायों के राशन में डब्ल्यूएफपी को 75 से 50 फीसदी की कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इसी तरह मई में 80 लाख लोगों के लिए खाद्य सहायता में कटौती करने के लिए इसे बाध्य होना पड़ा था, और यह संख्या उन लोगों की संख्या की 66 फीसदी है जिन्हें यह मदद मुहैया कराता है। उन्होंने कहा कि अब यह केवल 50 लाख लोगों की मदद कर रहा है। सीरिया में डब्ल्यूएफपी पर निर्भर 55 लाख लोगों को पहले से ही 50 फीसदी राशन के साथ संतोष करना पड़ रहा था, लेकिन एजेंसी ने जुलाई में इनमें से 25 लाख लोगों के राशन में पूरी तरह कटौती कर दी। स्काऊ ने कहा कि गंभीर भुखमरी के बढ़ते संकट का सामना कर रहे पश्चिमी अफ्रीका के देशों में से ज्यादातर के राशन में कटौती की गई है जिनमें बुर्किना फासो, माली, चाड, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, नाइजीरिया, नाइजर और कैमरून शामिल हैं।

2 मिलीमीटर व्यास का एक रोबोट करेगा फेफड़े के कैंसर का इलाज

लंदन (ईएमएस)। लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को फेफड़े के कैंसर के इलाज में बड़ी सफलता मिली है। शोधकर्ताओं ने 2 मिलीमीटर व्यास का एक रोबोट विकसित किया है, जो गहराइयों में जाकर कैंसर के लक्षण का पता करने और उसका उपचार करने में सक्षम है। अल्ट्रा सॉफ्ट टेंटेकल रोबोट जो कि चुंबक द्वारा नियंत्रित होता है, सबसे छोटी ब्रोंकियल ट्यूब तक पहुंच कर इलाज करने में मदद प्रदान कर सकता है। यह रोबोट लीड्स की सीटट्रोम लैब में डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा विकसित किया गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस खोज से कैंसर का सबसे सटीक इलाज करने में मदद मिलेगी। शोधकर्ताओं ने बताया कि एक शव के लंग्स में परीक्षण के दौरान इस रोबोट ने वर्तमान उपलब्ध उपकरण की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक गहराइयों में जाकर कैंसर का पता लगाया। इस यात्रा के दौरान यह उसके ऊतक को बहुत कम क्षति पहुंचाता है। इस शोध के बारे में 27 जुलाई को इंजीनियरिंग कम्युनिकेशंस में प्रकाशित किया गया था। लैब के निदेशक प्रोफेसर पिएट्रो वल्दास्त्री ने बताया कि यह मानव इतिहास के लिए काफी क्रांतिकारी साबित हो सकता है। इसकी तीन विशेषताएं हैं, पहला सटीक इलाज, दूसरा काफी सॉफ्ट और तीसरा यह चुंबक द्वारा पूरी तरह से नियंत्रित होता है। मैग्नेटिक टेंटेकल रोबोट ने बायोप्सी के दौरान फेफड़ों के अंदर नेविगेशन को काफी सटीकता से निभाया। रोबोट स्वस्थ अंग को बिना नुकसान पहुंचाए केवल ट्यूमर वाले सेल को टारगेट करता है।

अमेरिका जुटा सऊदी अरब से हाथ मिलाने में, प्रिंस सलमान को मनाने की कोशिश

-राष्ट्रपति जो बाइडन ने जेक सुलिवन को भेजा सऊदी अरब, चीन से दूर करने के हो रहे प्रयास

रियाद (एजेंसी)। अमेरिका इस समय सऊदी अरब के चीनी खेमे में शामिल होने से चिंतित है। यही वजह है कि अब जेक सुलिवन को प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत करने अरब रवाना किया है। जानकारी के अनुसार सऊदी अरब के चीन के खेमे में जाने से अमेरिका बेचैन हो उठा है। बाइडन प्रशासन को अब यह डर सताने लगा है कि अगर जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो पूरा मध्य-पूर्व उसकी हाथ से निकल सकता है। दरअसल सऊदी अरब को खाड़ी देशों का नेता माना जाता है। खाड़ी के अधिकतर देश सऊदी की विदेश नीति को ही फॉलो करते हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने चाणक्य जेक सुलिवन को सऊदी अरब भेजा है। जेक सुलिवन अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उन्होंने जेद्दा में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ लंबी बातचीत भी की है। दोनों नेताओं की मुलाकात को एक महत्वाकांक्षी और दूरगामी राजनयिक सफलता के लिए चली गई चाल का हिस्सा बताया जा रहा है।

इस संबन्ध में व्हाइट हाउस ने बताया कि सुलिवन और प्रिंस सलमान ने गुरुवार को दुनिया से जुड़े अधिक शांतिपूर्ण, सुरक्षित, समृद्ध और स्थिर मध्य पूर्व क्षेत्र के लिए एक साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की पहल पर चर्चा की। इस मुलाकात पर कहा जा रहा है कि सुलिवन किसी प्रकार अमेरिका-सऊदी अरब-इजरायल-फिलिस्तीन समझौते की संभावना तलाशने के लिए जेद्दा गए थे। चीन भी इस मुद्दे पर तेजी से काम कर रहा है। ऐसे में अमेरिका को डर है कि अगर चीन ने इजरायल फिलिस्तीन विवाद का हल खोज लिया तो यह उसके लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह सौदा अमेरिका-सऊदी सुरक्षा समझौते और सऊदी-इजरायल राजनयिक संबंधों के सामान्यीकरण से जुड़ी एक बड़ी सौदेबाजी होगी। इसमें अमेरिका के कहने पर कब्जे वाले क्षेत्रों में फिलिस्तीनियों की दुर्दशा में कुछ सुधार, यहूदी बस्ती के निर्माण को रोकना और वेस्ट बैंक पर कभी कब्जा न करने का वादा शामिल हो सकता है। वर्तमान में सऊदी अरब और इजरायल एक देश के तौर पर एक दूसरे को मान्यता नहीं देते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच बैक चैनल डिप्लोमेसी पिछले कई वर्षों से जारी है। ईरान के खिलाफ भी सऊदी अरब और इजरायल ने लंबे समय तक एक साथ काम किया है।

नाइजर में सैन्य तख्तापलट के बाद अमेरिका की ओर से दी जाने वाली आर्थिक मदद खतरे में : ब्लिंकन

कैनबरा। (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अफ्रीकी देश नाइजर में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद अमेरिका की ओर से देश को मिलने वाली आर्थिक सहायता खतरे में पड़ सकती है। नाइजर की सेना ने बुधवार को घोषणा की थी कि उसने लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद बजोउम को अपदस्थ कर दिया है। सेना ने शुक्रवार को जनरल अब्दुर्रहमानी चिआनी को देश का नया नेता घोषित किया। नाइजर के इस घटनाक्रम ने उसे पश्चिम अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सैन्य शासन वाले देशों की बढ़ती कतार में ला कर खड़ा कर दिया है।

ब्लिंकन प्रशांत क्षेत्र के दौरे के तहत ऑस्ट्रेलिया में हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ नाइजर के जो सुरक्षा और आर्थिक संबंध हैं, वे बजोउम की रिहाई तथा ''नाइजर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की तत्काल बहाली'' पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, ''नाइजर के साथ हमारी आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी अहम है, लेकिन यह लोकतांत्रिक शासन तथा संवैधानिक व्यवस्था के जारी रहने पर निर्भर है, जो पिछले कुछ दिन के घटनाक्रम के कारण बाधित हुई है।'' ब्लिंकन ने कहा, ''ऐसे में वह सहायता, वह समर्थन खतरे में है...।

चीन से अचानक गायब हो रहे नामी लोग, किसी को नहीं पता इसके पीछे का राज

-विदेश मंत्री किन गैंग भी नहीं मिले, अरबपति जैक मा की भी नहीं है कोई खैर-खबर

बीजिंग (एजेंसी)। चीन से अचानक गायब हो रहे नामी लोगों की कोई खोज-खबर नहीं हो रही है। इसके पीछे का राज भी नहीं बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार चीन के दिग्गज नेता और विदेश मंत्री पद पर रहते हुए किन गैंग बीते एक महीने से गायब हैं। उनकी जगह पर चीन में नए विदेश मंत्री वांग यी बना दिए गए हैं। हालांकि किन गैंग चीनी राष्ट्रपति के बेहद करीबी माने जाते रहे हैं, लेकिन अब उनकी कोई खबर नहीं मिल रही। सरकार ने भी इस बारे में खुलासा नहीं किया है। किन के भाग्य के बारे में चीन कई हफ्तों से चुप्पी साधे हुए है। इससे पहले भी चीन में दिग्गज कारोबारी, प्रभावशाली नेता भी लापता रह चुके हैं। इनमें से कुछ का अभी तक कोई पता नहीं चला है। इधर, किन गैंग को लेकर भी तमाम चर्चाएं हो रही हैं। कहा जा रहा है कि महिला पत्रकार से उनके विवाहेतर संबंधों के कारण सरकार ने उन्हें

बर्खास्त कर दिया है। किन गैंग को आखिरी बार 25 जून को देखा गया था। उसके बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। जब किन गैंग ने बीजिंग में रूस के उप विदेश मंत्री एंड्रे रुडेंको से मुलाकात की थी। अब किन गैंग की अनुपस्थिति से अटकलों का बाजार गर्म हो गया कि उन्हें पद से हटा दिया गया है या आधिकारिक जांच के कारण वे लापता हो गए हैं।

चीन की सरकार ने कहा है कि किन गांग खराब सेहत के कारण सार्वजनिक उपस्थिति से नदारत हैं। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय के आधिकारिक बयानों और राज्य मीडिया कवरेज में भी किन गांग का कोई जिक्र नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किन गांग का अंतिम सार्वजनिक कार्यक्रम 25 जून को दौरे पर आए रूसी, श्रीलंकाई और वियतनामी अधिकारियों के साथ एक बैठक थी। इसी तरह चीन के दिग्गज कारोबारी और चाइना रेनेसां होल्डिंग्स के फाउंडर बाओ फैन फरवरी 2023 में अचानक गायब हो गए थे। उनकी कंपनी ने कहा था कि बाओ को पीपुल्?स रिपब्लिक ऑफ चाइना के कुछ बड़े अफसरों द्वारा शुरू की गई जांच में सहयोग कर रहे थे।

ठीक इसी तरह से फोसुन इंटरनेशनल के चीफ गुओ गुआंगचांग भी लापता बताए जा रहे हैं। चीनी कनाडाई कारोबारी जिओ जियानहुआ को भी लापता बताया जा रहा है। वहीं, 2020 में रियल एस्टेट टाइकून रेन झिकियांग भी लापता हो गए थे। झिकियांग ने महामारी से निपट के तरीकों पर नाराजगी जाहिर की थी। इसी साल रेन को भ्रष्टाचार मामले में 18 साल की सजा मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन के विदेश मंत्री किन गैंग के लापता होने की अफवाहों ने अटकलों को हवा दे दी है, जिसमें एक पत्रकार के साथ कथित विवाहेतर संबंध भी शामिल है।

अंजू की मदद के नाम पर पाकिस्तान दे रहा धर्मांतरण को बढ़ावा

-सामने आया पाकिस्तान का घिनौना चेहरा, एक फ्लैट व 50 हजार का दिया तोहफा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत से पाकिस्तान गई अंजू भले ही झूठ बोलती रहे, लेकिन पाकिस्तान से लगातार नई-नई खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि अंजू को इस्लाम कबूल करने के बदले एक रईस ने रहने के लिए बढिया फ्लैट और 50 हजार रुपये का चेक तोहफे के रुप में दिया है। इससे जहां धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं पाकिस्तान का घिनौना चेहरा भी सामने आया है। हालांकि अंजू लगातार झूठ पर झूठ बोल रही है। अंजू का दावा रहा है कि उसने न तो नसरुल्लाह से शादी की है और न ही इस्लाम कबूल किया है। लेकिन लगातार पाकिस्तान से आ रही तस्वीरें और वीडियो से ऐसा लग रहा है कि उसने शादी कर ली है। पाकिस्तान में लगातार लोग अंजू से मिलने आ रहे हैं और उसे बधाई दे रहे हैं। पाकिस्तान के एक बड़े बिजनेसमैन ने तो अंजू को फ्लैट और 50 हजार रुपए का चेक तोहफे में दिया है। लेकिन इस दौरान उसने कुछ ऐसे बयान दिए, जिससे साफ हो गया कि वह इस मुद्दे के जरिए धर्मांतरण को बढ़ावा देनें में लगा है।

वीडियो में पाकिस्तान के स्टार ग्रुप ऑफ कंपनीज पीएसजी के सीईओ मोहसिन खान अब्बासी ने कहा कि अंजू ने इस्लाम में आकर नसरुल्लाह से शादी कर ली है। हम उसके स्वागत के लिए आए हैं। उसने अपना नाम फातिमा रखा है। हम यहां उसका इस्लाम में स्वागत करने आए हैं। आगे अब्बासी कहता है कि इस लड़की को ऐसा न लगे कि वह एक ऐसे मजहब में आ गई है, जहां उसका कोई अपना नहीं है। इसलिए यहां पर हम उसकी मदद करेंगे। बल्कि इसको इतना अच्छा लगना चाहिए कि इसे देख कर बेतहाशा लोग इस्लाम में आएं। उसने पाकिस्तानी सरकार से भी अंजू को सपोर्ट करने की मांग की हैं। हालांकि मोहसिन की मुस्लिमों को सपोर्ट करने की बाद बेहद हास्यास्पद हैं। वह भी तब जब पाकिस्तान में बड़ी संख्या में मुस्लिम भी गरीब हैं और उनके पास खाने को नहीं है। उसने अंजू को लेकर अपने आगे के प्लान का भी खुलासा किया। उसने कहा, जब अंजू की सभी लीगल कार्रवाई पूरी हो जाएगी, तो हम उन्हें पीएसजी का ब्रांड एंबेसडर भी बनाएंगे। इन्हें हम घर बैठे रेगुलर सैलरी देंगे। मैं इन्हें आर्थिक तौर पर किसी भी तरह से परेशान नहीं होने दूंगा। वैसे आम तौर पर अब्बासी का फ्लैट देना एक प्रचार के तौर पर देखा जा रहा है। इस समय पाकिस्तान की मीडिया में अंजू चर्चा का विषय बनी हुई है। ऐसे में अंजू से जुड़ी कोई भी सूचना करोड़ों लोगों तक पहुंचती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवसेना और एनसीपी के बाद कांग्रेस भी टूटने की कगार पर पहुंची

मुंबई । महाराष्ट्र की राजनीति में परिवर्तन कब हो जाए, कोई भरोसा नहीं है। जहां एमवीए के तीन घटक दलों में शिवसेना और एनसीपी में फूट पड़ चुकी है। जबकि अब कांग्रेस के टूटने की बात भी कही जा रही है। बहरहाल, बीजेपी सांसद रणजीत सिंह नाइक निंबालकर ने कांग्रेस को लेकर बड़ा दावा किया है। जिसके मुताबिक आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी में भी फूट पड़ सकती है। हालांकि, महाराष्ट्र में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की माने तो ऐसी कोई बात नहीं है। उनके द्वारा कांग्रेस के एकजुट होने का दावा किया जा रहा है। बावजूद इसके कांग्रेस पार्टी में फूट को लेकर हमेशा अलग-अलग खबरें आती रहती हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार को भंग हुए एक साल बीत चुका है। लेकिन इस एक साल के अंतराल में ही महाविकास अघाड़ी में शामिल तीन प्रमुख दलों में से दो शिवसेना और एनसीपी में दो गुट बन चुके हैं। अब कांग्रेस अकेली पार्टी है बची है जो अभी तक विभाजित नहीं हुई है। हालां?कि राज्य के माढा से बीजेपी सांसद रणजीत सिंह नाईक निंबालकर ने कांग्रेस को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी जल्द ही महाविकास अघाड़ी से बाहर हो जाएगी। खास बात यह है कि महाविकास अघाड़ी के टूटने के लिए भी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार मानी जा रही है। रणजीत सिंह नाईक निंबालकर ने दावा किया है कि कांग्रेस के कुछ विधायक सरकार में भी शामिल होंगे। दरअसल कांग्रेस विधायकों को लगता है कि अब महाविकास अघाड़ी में रहने का कोई फायदा नहीं है। इसलिए वे सरकार में शामिल होंगे। जिसके बाद महाविकास अघाड़ी में केवल एनसीपी और उद्धव ठाकरे गुट ही बचेगा।

उप्र में फिर पेशाब कांड : कासगंज में किन्नरों ने युवक का मुंडन कर पिलाया पेशाब

कासगंज । उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में किन्नरों के समूह ने युवक का पहले मुंडन कर दिया और फिर उसके मुंह पर पेशाब भी किया। पीड़ित को पास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने बचाया जब किन्नर उसे अपने जैसा बनाने की कोशिश कर रहे थे। किन्नरों ने युवक से नकदी भी लूट ली। यह घटना तब सामने आई जब युवक का सिर काटने और उसे पेशाब पिलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने घटना में शामिल पांचों किन्नरों को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, यह घटना इलाके में किन्नरों के दो समूहों के बीच प्रतिद्वंद्विता का नतीजा थी। पीड़ित की पहचान वादी रफीकुल के रूप में की गई है, जो एक रसोइया है और इमामबक्श इलाके में किन्नरों के एक समूह के नेता के घर पर काम करता है। रफीकुल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, घटना तब हुई जब वह कासगंज से लौट रहा था। जौहरी ईंट भट्ठे के पास किन्नरों के समूह ने उसे घेर लिया और मारपीट की। फिर उन्होंने उसके सिर को पानी से भिगोया और उसका मुंडन किया। इसके बाद दूसरे किन्नर ने उसके मुंह में पेशाब कर दिया जबकि पीड़ित छटपटा रहा था। उन्होंने उससे एक हजार रुपए नकद भी लूट लिए। रफीकुल ने यह भी आरोप लगाया कि पेशाब करने और लूटपाट करने के बाद उन लोगों ने उसे नपुंसक बनाकर किन्नर बनाने की भी कोशिश की। शोर सुनकर खेतों में काम कर रहे लोगों ने बचाव में आकर उसे बचाया। पीड़िता ने सहावर थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और इस अमानवीय कृत्य के मामले में पांचों किन्नरों को गिरफ्तार कर लिया।

सरकार बिजली बिल माफी योजना में कर रही है दोगलापन : सैलजा

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने सरकार पर बिजली बिल माफी योजना में दोगलापन करने का आरोप लगया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों की मदद का सिर्फ ढिंढोरा पीटती है। लेकिन, वास्तविकता यह है कि सरकार दोगली नीति अपनाकर न केवल गरीबों का मजाक उड़ाती है, बल्कि उन्हें अपमानित भी करती है। सैलजा ने दावा किया कि अंत्योदय योजना के तहत आने वाले गरीबों की बिजली बिल माफी योजना में भी सरकार का यही दोगला चेहरा उजागर हुआ है। एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि एक लाख रुपए से कम आय वाले अंत्योदय परिवारों के लिए सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा योजना शुरू की है। इसमें 12 महीनों की कुल औसत मासिक खपत, बिल भुगतान, बिल की मूल राशि, कंपाउंड राशि, 50 प्रतिशत ब्याज या 3600 रुपए मूल राशि जैसी तकनीकी और पेचीदा शब्दावली जोड़कर गरीबों को और उलझा दिया गया है। सैलजा ने कहा कि सरकार सचमुच इन गरीब परिवारों को बिजली बिलों में राहत देना चाहती है तो बिल माफी की एकमुश्त घोषणा क्यों नहीं कर रही? उन्होंने कहा कि एक लाख से कम सालाना आय यानि लगभग 8 हजार रुपए महीना कमाने वाले परिवार के चार-पांच सदस्यों का भरण पोषण कैसे होता होगा, आसानी से समझा जा सकता है। उन परिवारों को मदद मिलनी ही चाहिए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि आसपास के राज्यों में 100, 200, 300 यूनिट तक बिजली सभी वर्गों के उपभोक्ताओं को मुफ्त दी जा रही है। लेकिन, हरियाणा में सबसे गरीब अंत्योदय परिवारों को भी सरकार मुफ्त बिजली नहीं दे रही। कुमारी सैलजा ने कहाकि बड़े-बड़े दावे करने वाली हरियाणा सरकार की कथनी और करनी का अंतर बार-बार सार्वजनिक रूप से सामने आ रहा है। जबकि हरियाणा में अंत्योदय परिवारों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं है, यदि सभी परिवारों को मुफ्त बिजली दे दी जाए तो सरकार के खजाने पर अधिक बोझ नहीं पड़ने वाला।

सीमा के ससुर नेत्रपाल लगाई गुहार, राशन खत्म हो गया, भूखे मर जाएंगे

नोएडा । सीमा हैदर भले ही पुलिस की जांच में सहायोग कर रही है, लेकिन उसके ससुर यानी नेत्रपाल मीणा का परिवार इन दिनों भूखें मरने की कगार पर है। उसने गुहार लगाई है कि राशन खत्म हो गया है, पुलिस का पहरा हटाया जाना चाहिए। नहीं तो भूखे मरने की तौबत आ जाएगी। गौरतलब है कि पाकिस्तान से सरहद पार कर अपने चार बच्चों के साथ ग्रेटर नोएडा आई सीमा हैदर से यूपी एटीएस की पूछताछ खत्म हो चुकी है। वह पति सचिन मीणा और ससुरालवालों के साथ रबूपुरा गांव के किसी दूसरे घर में रह रही हैं। सीमा के ससुर नेत्रपाल मीणा का एक वीडियो सामने आया है। इसमें उन्होंने मीडिया के जरिये पुलिस अफसरों से गुहार लगाई है। नेत्रपाल का कहना है कि पुलिस के कारण घर के लोग बाहर नहीं जा पा रहे हैं। घर के हालात ठीक नहीं है। खाने पीने की भी दिव?कत आने लगी है। हम लोग रोज कमाकर खाने वाले लोग हैं। पुलिस ने हमें घर से बाहर नहीं निकलने के लिए कहा है। ऐसे में घर का राशन खत्म होता जा रहा है। नेत्रपाल मीणा ने कहा कि हम लोग दिन भर घर में पड़े रहते हैं। हमने अपनी समस्या को स्थानीय थान प्रभारी तक पहुंचाया ताकि वह वरिष्?ठ अफसरों तक पहुंचा सके। हमारी समस्या का कुछ हल निकाला जाए नहीं तो भूखा रहने की नौबत आ जाएगी। हमारे पास पैसा कमाने का और कोई जरिया नहीं है। गौरतलब है कि सीमा, सचिन और नेत्रपाल से यूपी एटीएस ने लगातार कई दिनों तक पूछताछ की थी। इस दौरान सीमा हैदर के पाकिस्तानी जासूस होने संबंधी कोई तथ्य सामने नहीं आया है।

पांच साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या मामले में पुलिस ने मांगी मांफी

एर्नाकुलम । केरल पुलिस ने सोशल मीडिया पर उस बच्ची से माफी मांगी है, जिसके साथ रेप करके आरोपी ने उसके शव को दलदल में फेंक दिया था। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार एर्नाकुलम जिले में 5 साल की एक बच्ची के साथ रेप और गला घोंटकर मार डालने की घटना के बाद केरल पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक माफीनामा पोस्ट किया है। ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक माफीनामा में केरल पुलिस ने जघन्य अपराध का शिकार हुई बच्ची से माफी मांगी है। बच्ची के गायब होने की सूचना के मिलने के बाद शुक्रवार रात भर चले तलाशी अभियान के बाद पास के अलुवा में एक लोकल बाजार के पीछे दलदल में एक बोरे में फेंकी गई बच्ची की लाश बरामद हुई। यह लड़की शुक्रवार को लापता हो गई और आरोपी शख्स को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। केरल पुलिस ने एक ट्वीट में कहा कि 'माफ करना बेटी।' पुलिस ने कहा कि बच्ची को उसके माता-पिता के पास सुरक्षित वापस लाने की उनकी कोशिश व्यर्थ हो गई। मलयालम भाषा में लिखे पोस्ट में केरल पुलिस ने कहा कि 'उसे जीवित उसके माता-पिता के पास लाने की हमारी कोशिश विफल रही। बच्ची का अपहरण करने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बच्ची की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 5 साल की बच्ची के साथ रेप किया गया और बाद में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई। यह बच्ची बिहार के एक जोड़े की बेटी थी, जो शुक्रवार शाम को लापता हो गई थी।

विकास की सौगातों का सिलसिला शुरु, पीएम मेट्रो ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

-पुणे में 1 अगस्त को विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार 1 अगस्त को पुणे में मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाने वाले हैं। इस दौरान वहां पर विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी करेंगे। पीएमओ द्वारा रविवार को यह जानकारी दी गई। पुणे में कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार भी ग्रहण करेंगे। प्रधानमंत्री पुणे मेट्रो के पहले चरण के दो गलियारों के पूर्ण हो चुके खंडों पर सेवाओं के उद्घाटन के अवसर पर मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। ये खंड फुगेवाड़ी स्टेशन से सिविल कोर्ट स्टेशन और गरवारे कॉलेज स्टेशन से रूबी हॉल क्लिनिक स्टेशन तक हैं। पीएम ने 2016 में इस परियोजना की आधारशिला भी रखी थी। नए खंड पुणे शहर के महत्वपूर्ण स्थानों जैसे शिवाजी नगर, सिविल कोर्ट, पुणे नगर निगम कार्यालय, पुणे आरटीओ और पुणे रेलवे स्टेशन को जोड़ेंगे। पीएमओ के अनुसार यह उद्घाटन देश भर में नागरिकों को आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल शहरी परिवहन प्रणाली प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मार्ग पर कुछ मेट्रो स्टेशन का डिजाइन छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित है।

सूचना यह भी है कि इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम (पीसीएमसी) के तहत अपशिष्ट के उपयोग वाले ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह संयंत्र बिजली का उत्पादन करने के लिए सालाना लगभग 2.5 लाख मीट्रिक टन कचरे का उपयोग करेगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर पीसीएमसी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित 1,280 से अधिक मकान भी हितग्राहियों को सौंपेंगे। वह पुणे नगर निगम द्वारा निर्मित 2,650 से अधिक पीएमएवाई घर भी सौंपेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री पीसीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले लगभग 1,190 पीएमएवाई घरों और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित 6,400 से अधिक घरों की आधारशिला भी रखेंगे।

तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रधानमंत्री को इस यात्रा के दौरान लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। लोकमान्य तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा इस पुरस्कार की शुरुआत की गई थी। पीएमओ ने कहा कि यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए काम किया है और जिनके योगदान को केवल उल्लेखनीय और असाधारण के रूप में देखा जा सकता है। यह पुरस्कार हर साल एक अगस्त को लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि पर दिया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी से पहले यह पुरस्कार पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा और प्रणब मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह के अलावा मशहूर व्यवसायी एन आर नारायणमूर्ति तथा 'मेट्रो मैन ई श्रीधरन जैसे 40 दिग्गजों को दिया जा चुका है।

महात्मा गांधी पर टिप्पणी मामले में भिडे के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी पुलिस : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी के खिलाफ दक्षिणपंथी कार्यकर्ता संभाजी भिडे की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए पुलिस उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि गांधी जी के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमरावती में बृहस्पतिवार को एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधीजी की वंशावली पर कथित टिप्पणी के लिए भिडे पर एक दिन पहले अमरावती के राजापेठ पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। फडणवीस ने नागपुर में संवाददाताओं को बताया, मैं संभाजी भिडे के बयान की पूर्ण रूप से निंदा करता हूं। महात्मा गांधी राष्ट्रपिता और स्वतंत्रता संघर्ष के एक महानायक हैं। महानायक के खिलाफ इस तरह का बयान पूर्णत- अस्वीकार्य है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि संभाजी भिडे हो या फिर कोई और, इस तरह के बयान नहीं दे सकता है क्योंकि इससे लोगों में रोष पनपता है और लोग गांधी जी के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। फडणवीस ने यह भी कहा कि भिडे एक स्वतंत्र संगठन (श्री शिव प्रतिष्ठान हिंदुस्तान) चलाते हैं और उनका भाजपा से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को मुद्दे को राजीनितक रंग नहीं देना चाहिए। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि भिडे के बयान की निंदा करने वाली कांग्रेस को वी. डी सावरकर की हिंदुत्व की विचारधारा के खिलाफ टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी की भी आलोचना करनी चाहिए। कांग्रेस ने भिडे को गिरफ्तार करने और उनके (भिडे) खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की थी।

शरद पवार के बीजेपी में आने के संकेत, चंद्रशेखर बावनकुले ने साफ की तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत में शरद पवार के भाजपा में शामिल होने के संकेत दिए हैं। हालांकि उन्होंने बहुत ही नपे-तुले अंदाज में यह बात कही लेकिन मीडिया के लिए यह बात बहुत अहमियत रखती है। गौरतलब है कि एनसीपी में फूट के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी का एक धड़ा बीजेपी के साथ चला गया है। लेकिन शरद पवार का खेमा अभी भी महाविकास अघाड़ी में है। अजित पवार और उनके गुट ने शरद पवार को दो बार बीजेपी में शामिल होने के लिए मनाया था। लेकिन शरद पवार ने ऐसा करने से मना कर दिया है। इस वजह से एनसीपी में तो बेचैनी है ही बीजेपी में भी बेचैनी का आलम है। अजित पवार के साथ आने से भले ही बीजेपी की ताकत बढ़ गई है। लेकिन शरद पवार कभी भी बीजेपी का खेल बिगाड़ सकते हैं, ये बात बीजेपी भी जानती है। सूत्रों की माने तो इससे बीजेपी की टेंशन बढ़ गई है। इसीलिए बीजेपी नेता पवार के बारे में बात करते समय नपेतुले बयान दे रहे हैं। इसी बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से कहा कि फ़िलहाल यह कहना सही नहीं होगा कि शरद पवार बीजेपी में शामिल होंगे या नहीं। लेकिन आप कुछ समय इंतजार करिए आपको एक अलग तस्वीर दिखाई देगी।

उधर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर पार्टी को तोड़ने वाली पार्टी होने का आरोप लगाया है। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए बावनकुले ने कहा कि हम कभी किसी की पार्टी नहीं तोड़ते, हम कभी किसी का पक्ष नहीं लेते। लेकिन अगर कोई हमारे पास आएगा तो हम उसे पार्टी में शामिल करने के लिए तैयार हैं। उद्धव ठाकरे ने राज्य में पार्टी तोड़ने का काम शुरू किया है। बावनकुले ने हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी को तोड़ना और पीठ में छुरा घोंपना उद्धव ठाकरे के खून में है। उन्होंने कहा कि 2024 तक उद्धव ठाकरे के पास सिर्फ चार लोग बचेंगे। बाकी सब एकनाथ शिंदे के पास जाएंगे, कुछ लोग बीजेपी में भी आएंगे। साल 2024 तक उद्धव सेना का आंकड़ा शून्य हो जायेगा।

प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए बृजभूषण सिंह, पहलवानों पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। सांसद बृजभूषण सिंह ने एक विद्यालय के प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल होकर पहलवानों पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी पार्टियों को भी आड़े हाथों लिया है। मिली जानकारी के अनुसार बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विपिन बिहारी शरण महाविद्यालय तरबगंज में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए पहलवानों का नाम लिए बिना उन पर तंज कसा। उन्होंने अपनी उम्र का उदाहरण देते हुए कहा कि लगभग 70 साल का हो गया हूं और 7 महीने से नौजवानों से जंग लड़ रहा हूं। इस दौरान सांसद ने ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, लालू यादव और नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष के गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि इतनी बड़ी पार्टी का नेता सीरियस होकर बयान नहीं देता। अभी 26 दलों का गठबंधन (इंडिया) हुआ है। इनका नेता कौन होगा, इनके इश्यू क्या हैं, इनको कंट्रोल कौन करेगा, इसका पता ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इन सभी की विचारधारा अलग-अलग है, जो देश के लिए बहुत खतरनाक होगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इनको तो कम से कम 8 प्रधानमंत्री बनाने पड़ेंगे। अभी से अच्छा होगा कि ये 3-3 महीने का कार्यकाल फिक्स कर लें।

बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आगे कहा कि 90 के दशक में देश ने बहुत बड़ी त्रासदी झेली थी। विशेषकर यह त्रासदी जम्मू-कश्मीर के हिंदुओं ने झेली थी। इसका खामियाजा आज तक हम भोग रहे हैं। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को मजबूत करने के बजाय इन लोगों की गोद में बैठ गए हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने राहुल गांधी को घेरे में लेते हुए कहा कि वो यात्रा कर रहे हैं, लेकिन इस यात्रा का उद्देश्य क्या है, टारगेट क्या है, विजन क्या है इसका पता ही नहीं। विपक्ष में कोई भी ऐसा लीडर नहीं दिखाई दे रहा है जो विचारों के आधार पर पार्टी को एकता के सूत्र में पिरो सके।

पिछड़ी जातियों के 27 फीसदी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछड़ी जातियों के 27 फीसदी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटे जाने का रास्ता साफ हो गया है। इससे ओबीसी की डेढ़ हजार जा?तियों को उनका हक प्राप्त हो सकेगा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर ने कहा है कि रोहिणी आयोग अपनी रिपोर्ट जल्द केंद्र सरकार को सौंपने वाली है। इस रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के लागू होने पर पिछड़ी जातियों के 27 फीसदी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटे जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। मौजूदा समय में देश में ओबीसी की लगभग 2700 जातियां है। राजभर ने जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए आयोग की रिपोर्ट के बाद अन्य पिछड़ा वर्ग की करीब डेढ़ हजार जातियों को उनका वाजिब हक मिलेगा। 6 साल की लंबी तैयारी के बाद जस्टिस रोहिणी आयोग ने ओबीसी आरक्षण के वर्गीकरण का काम पूरा कर लिया है। सूत्रों के अनुसार आयोग ने रिपोर्ट सौंपने के लिए केंद्र सरकार से समय मांगा है। आयोग का कार्यकाल 31 जुलाई को खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ओबीसी आरक्षण में बंटवारे को लेकर सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाते रहे हैं जिसका विरोध सपा और बसपा करती रही है।

वहीं ओबीसी के 27 फीसदी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटते हुए पिछड़ी जातियों को 7 फीसदी, अति पिछड़ी जातियों को 9 फीसदी तथा अन्य पिछड़ी जातियों को 11 फीसदी दिए जाने की मांग करते रहे हैं। राजभर के प्रयासों के बाद प्रदेश की भाजपा सरकार ने सेवानिवृत्त जज राघवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सामाजिक न्याय समिति बनाई थी। मोदी सरकार हर वर्ग को उनका हक देने का काम कर रही है। देश के करीब 11 राज्य ऐसे हैं, जहां पहले से ही ओबीसी आरक्षण का बंटवारा किया जा चुका है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल, झारखंड, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी शामिल हैं। इसके अलावा भी कई राज्यों में इस पर तेजी से काम चल रहा है।

सीमावर्ती राज्य में अस्थिरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करेगी

-कांग्रेस ने मौका परस्त पड़ोसी मुल्कों द्वारा सेंधमारी की आशंका जा?हिर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में लगातार हो रही हिंसा को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बताया है। कांग्रेस का कहना है कि इससे पड़ोसी मुल्क सेंधमारी करने का मौका ढूंढ सकते हैं। यहां हिंसा लगभग तीन महीने से जारी है। कांग्रेस को लगता है कि पड़ोसी किसी भी राज्य में अस्थिरता को बहुत ध्यान से देखते हैं और सीमावर्ती राज्यों में अस्थिरता का सीधा असर राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ेगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने कहा कि जब किसी सीमावर्ती राज्य में अस्थिरता होती है, तो आपके सभी पड़ोसी उसे ध्यान से देखते हैं। उन्होंने बताया कि म्यांमार की सीमा मणिपुर से लगती है और यह एक खुली सीमा है। उन्होंने कहा, म्यांमार में ऐसे तत्व हैं, जिनका चीन के साथ बहुत करीबी संबंध है, और चीन के साथ हमारी सीमा पहले से ही बहुत अशांत है। इसलिए किसी भी प्रकार की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक अस्थिरता उन ताकतों को अनुमति देती है जो आपके लिए शत्रुतापूर्ण हैं और वे आपके लाभ के लिए उन विरोधाभासों का फायदा उठाते हैं। तो इस तरह यह राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है। तिवारी ने कुछ उदाहरण देकर कहा गया कि जब पंजाब अशांत था, तो पाकिस्तान ने उन स्थितियों का फायदा उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। चीनी भी पूर्वोत्तर में हस्तक्षेप करते रहे हैं, जो लगभग सात दशक पुराना है।

उन्होंने कहा कि कई भूमिगत समूह और विद्रोही समूह हैं, जिन्हें सीधे चीन द्वारा प्रशिक्षित और वित्त पोषित किया गया है। 1960 के दशक में पश्चिम बंगाल में नक्सलबाड़ी इसका प्रमुख उदाहरण था। कांग्रेस नेता ने यह भी महसूस किया कि इस क्षेत्र से बहुत सारे समान जातीय समूह विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों में विकसित हुए हैं, जो सीमा पार और अन्य देशों में भी रहते हैं। तिवारी ने कहा कि इसलिए सीमावर्ती राज्य में किसी भी तरह की अस्थिरता का सीधा असर राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ता है। बता दें कि मणिपुर में 3 मई से जातीय झड़पें हो रही हैं। हिंसक झड़पों में कम से कम 150 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग लापता हैं। हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है।

कांग्रेस नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि पूर्वोत्तर राज्यों में किसी भी अवैध हथियार की तस्करी का राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा किसी भी हथियार की तस्करी या सीमा पार करने से पूरे पूर्वोत्तर राज्य पर राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभाव पड़ेगा। और इसका राष्ट्रीय प्रभाव भी होगा। बता दें कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा और राज्य में राहत शिविरों में शरण ले रहे लोगों से भी मुलाकात की। हालांकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष संसद के दोनों सदनों में मणिपुर पर बहस की मांग कर रहा है और पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा बयान की मांग कर रहा है।

अमित शाह इंदौर में कांग्रेस पर बरसे, कहा- डबल इंजन सरकार राज्य को आगे ले जाएगी

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इंदौर में चुनावी अभियान की शुरुआत की है। चुनावी अभियान की शुरुआत करते हुए अमित शाह ने इंदौर में भाजपा के संभागीय सम्मेलन से की है। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा है। अमित शाह ने इस दौरान उन्होंने कई नेताओं पर जमकर निशाना साधा है।

अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मिस्टर बंटाधार और करप्शन नाथ कोई उद्योग राज्य में नहीं ला सके है। ट्रांसफर इंडस्ट्री की ही शुरुआत पार्टी ने की है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ही राज्य को आगे लेकर जाएगी और देश का नंबर एक राज्य बनाएगी। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि पूरे देश में मध्यप्रदेश में ही सबसे अच्छा संगठन है। मध्यप्रदेश में हर गांव, हर बूथ में कमल दिखता है। वर्ष 2024 के चुनावों की शुरुआत भी हो गई है। हर संभाग में ऐसे ही सम्मेलन होंगे।

धारा 370 को लेकर कांग्रेस पर प्रहार

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकार के दौरान ही पाकिस्तान से आलिया, जमालिया तक आते थे। गोलियां चलाई जाती थी मगर पाकिस्तान को कुछ नहीं कहा जाता था। हमारी सरकार ने सेना का मनोबल बढ़ाया और पाकिस्तान में घुसकर उनके आतंकियों का सफाया किया गया। ये सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छाशक्ति की बदौलत हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने धारा 370 को वर्षों से पाला हुआ था, जिससे हमने जम्मू कश्मीर को छुटकारा दिलवाया है। इससे जम्मू कश्मीर देश की मुख्यधारा से जुड़ा है।

कांग्रेस पर फोड़ा ठीकरा

इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी पर गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि राज्य को कांग्रेस पार्टी ने कबाड़ बनाकर रखा था। डेढ़ साल में केंद्र सरकार की योजनाओं को ठप किया गया। किसान सम्मान निधि नहीं ली गई। उस समय राज्य भर में दलालों और घूसखोरों का बोलबाला था। लाडली बहनें भी तभी तक हैं जब तक हमारी सरकार है। इस संबंध में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

इस दौरान पार्टी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश पार्टी तब जीत जाएगी जब मालवा पर कब्जा होगा। कांग्रेस पार्टी की सरकार के दौरान कार्यकर्ताओं को भी प्रताड़ित किया गया था। कांग्रेस पार्टी चुनाव हारने के बाद बदला लेने में जुटी है। बता दें कि सभा में

अलग-अलग जिलों से आए जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

अहमदाबाद के राजस्थान अस्पताल के बेसमेंट में सुबह लगी आग, मौके पर दमकल की 31 गाड़ियां

100 मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजस्थान हॉस्पिटल के बेसमेंट-2 में पूरा अंधेरा था. हम साथी फायर ब्रिगेड कर्मियों के साथ ब्रिज एप्लेटर सेट और मास्क पहनकर बेसमेंट में दाखिल हुए। वहां बहुत ज्यादा धुआं था और दृश्यता शून्य थी. फायर ब्रिगेड कर्मी एक-दूसरे को देख भी नहीं पा रहे थे। आग कहां से लगी, यह देखने की स्थिति नहीं थी. इस बीच जान जोखिम में डालकर अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया है। ये शब्द हैं अहमदाबाद फायर ब्रिगेड के एक जवान के. जिन्होंने राजस्थान हॉस्पिटल के बेसमेंट-2 में लगी आग के धुएं के बीच काम किया है.

अहमदाबाद के शाहीबाग स्थित राजस्थान हॉस्पिटल के बेसमेंट-2 में सुबह-सुबह आग लग गई. जिसके चलते अग्निशमन विभाग ने बड़ी घोषणा की, 31 गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंचीं और 9 घंटे की मेहनत के बाद आग और धुएं पर काबू पा लिया गया है. जबकि आग के कारण 100 से ज्यादा मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है. हालांकि, बेसमेंट-2 में आग लगने से कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन धुआं अधिक होने के कारण अग्निशमन विभाग बेसमेंट-2 में ऑक्सीजन मास्क के साथ भी 10 मिनट से ज्यादा अंदर नहीं रह सका। जिससे आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

अंदर काफी जलन और धुआं था: मितेश पटेल

एक अन्य फायरमैन मितेश पटेल ने दिव्य भास्कर को बताया कि जैसे ही हमें 4 बजे कॉल आया, हम तुरंत उपकरण लेकर राजस्थान हॉस्पिटल पहुंचे। बेसमेंट में आग के साथ धुआं भी था. इसलिए वे एक ब्लोअर, धुंआ हटाने के उपकरण, और एक ब्रिडी एप्लेटर सेट और मास्क पहनकर बेसमेंट में दाखिल हुए। जिस जगह पर आग लगी वहां इतना ज्यादा ओवरराइटिंग और धुआं था कि किसी भी कर्मचारी के लिए ज्यादा देर तक खड़ा रहना संभव नहीं था. अगर कोई वहां ज्यादा देर तक खड़ा रहता है तो बेहोश हो जाता है। तो ऐसे मुश्किल हालात के बीच भी फायर ब्रिगेड के जवानों ने वहां वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया और सबसे पहले आग बुझाई. ब्रिडीघ एप्लैटर सेट में बोतल में हवा की मात्रा रखने की भी एक सीमा थी, इसलिए इसे पूरा होते ही हमें बाहर निकलना पड़ता था।

बेसमेंट में बिल्कुल जीरो विजिबिलिटी थी: पंकज रावल

फायर स्टेशन ऑफिसर पंकज रावल ने दिव्य भास्कर से बातचीत में बताया, सुबह करीब चार बजे फोन आया कि राजस्थान हॉस्पिटल के बेसमेंट में आग लग गई है।

जिसके चलते हम फायर ब्रिगेड के सभी उपकरण और कर्मियों के साथ यहां पहुंचे. शुरुआत में पता चला कि बेसमेंट ढका हुआ है. इसलिए अग्निशमन कर्मी ब्रिडी एप्लेटर सेट और मास्क पहनकर बेसमेंट में दाखिल हुए। 10 फायर ब्रिगेड कर्मी अंदर पहुंचे, लेकिन बेसमेंट ओवर हीटिंग हो चुका था यानी आग का तापमान इतना ज्यादा था कि वहां 10 से 15 मिनट से ज्यादा खड़ा रहना संभव नहीं था। वहां दृश्यता बिल्कुल शून्य थी.

कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था क्योंकि शरीर पर हवा की बोतल का वजन आग और धुएं के साथ था।

शून्य दृश्यता के बीच परिचालन करना पड़ा।

बेसमेंट-2 में लगी आग का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. जिसमें दिख रहा है कि बेसमेंट-2 में पड़े मलबे में आग लगी है. तभी अस्पताल की लापरवाही से आग लगने से 100 से ज्यादा मरीजों की जान खतरे में पड़ गई.

बेसमेंट-2 में लगी आग का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. जिसमें दिख रहा है कि बेसमेंट की सीढ़ियों के पास प्लास्टिक के डिब्बे और गद्दे और लकड़ी के स्क्रैप रखे हुए हैं. बेसमेंट-2 में गिरे सामान के पीछे एक इलेक्ट्रिक डक मिला है. शुरुआती जांच से पता चला है कि आग बत्तख में लगी और फिर फैल गई. उस समय अस्पताल व्यवस्था की लापरवाही के कारण आज इलाज करा रहे 106 मरीजों की जान खतरे में पड़ गयी.

9 घंटे तक अथक प्रयास किया

राजस्थान हॉस्पिटल में लगी आग के मामले में ब्रिगेड कॉल की घोषणा की गई. इस ऑपरेशन को ३१ फायर ब्रिगेड की गाड़ियों और 150 से ज्यादा फायर ब्रिगेड कर्मियों ने अंजाम दिया. अस्पताल में लगी आग के धुएं को साफ करने के लिए एक बड़ी साइक्लोन मशीन, लगभग 10 डीजल, पेट्रोल और बैटरी से चलने वाली मशीनें और पानी के टैंकरों का इस्तेमाल किया गया। करोड़ों लीटर पानी खर्च हुआ. अहमदाबाद फायर ब्रिगेड प्रभारी मुख्य अधिकारी जयेश खड़िया, अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी मिथुन मिस्त्री, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी ओम जाडेजा, स्वास्तिक जाडेजा और कैजाद दस्तूर, फायर स्टेशन अधिकारी और कर्मचारी लगातार 9 घंटे तक काम करते रहे. उप नगर आयुक्त रमेश मेरजा ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी. यह भी मांग की गई है कि फायर कर्मियों को सम्मानित किया जाए.

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com